

قرآن مجید

लफ़्ज़ी तरजुमा

eParah

وَمَنْ يَّقْنُتْ

पारा - 22

وَمَنْ	يَقْنُتْ	مِنْكُمْ	لِلَّهِ	وَرَسُولِهِ	وَتَعْمَلْ	صَالِحًا
और जो कोई	इताअत करेगी	तुम में से	अल्लाह की	और उसके रसूल की	और अमल करेगी	नेक
نُؤْتِيهَا	أَجْرَهَا	مَرَّتَيْنِ ٥	وَأَعْتَدْنَا	لَهَا	رِزْقًا	كَرِيمًا 31
हम देंगे उसे	अज्र उसका	दो बार	और तैयार कर रखा है हमने	उसके लिए	रिज़क	बाइज़्जत/उम्दा
يُنِسَاءَ النَّبِيِّ	لَسْتُنَّ	كَأَحَدٍ	مِّنَ النِّسَاءِ	إِنْ	اتَّقَيْتُنَّ	
ऐ नबी की बीवियों	नहीं हो तुम	किसी एक की तरह	औरतों में से	अगर	तुम तकवा इख्तियार करो	
فَلَا	تَخْضَعْنَ	بِالْقَوْلِ	فَيَطْعَ	الَّذِي	فِي قَلْبِهِ	مَرَضٌ
तो ना	तुम लोच पैदा करना	बात में	वरना तमाअ करेगा	वो शख्स	जिसके दिल में	मर्ज़ है
وَقُلْنَ	قَوْلًا	مَّعْرُوفًا 32	وَقَرْنَ	فِي بُيُوتِكُنَّ	وَلَا	تَبَرَّجْنَ
और कहो	बात	भली/मारुफ़	और करार पकड़ो	अपने घरों में	और ना	तुम इज़्हारे ज़ीनत करो
تَبَرَّجَ	الْجَاهِلِيَّةِ	الْأُولَى	وَأَقِمْنَ	الصَّلَاةَ	وَاتِينَ	الزَّكَاةَ
इज़्हारे ज़ीनत	जाहिलियत	पहली का	और क़ायम करो	नमाज़	और अदा करो	ज़कात
وَاطْعَنَ	اللَّهُ	وَرَسُولَهُ ٥	إِنَّمَا	يُرِيدُ	اللَّهُ	لِيُذْهَبَ
और इताअत करो	अल्लाह की	और उसके रसूल की	बेशक	चाहता है	अल्लाह	कि वो ले जाए
عَنْكُمْ	الرِّجْسَ	أَهْلَ الْبَيْتِ	وَيُطَهِّرَكُمْ	تَطْهِيرًا 33	وَاذْكُرْنَ	
तुमसे	नापाकी को	ऐ अहले बैत	और वो पाक कर दे तुम्हें	ख़ूब पाक करना	और याद रखो	
مَا	يُثْلَى	فِي بُيُوتِكُنَّ	مِنْ آيَاتِ	اللَّهُ	وَالْحِكْمَةِ ٥	إِنَّ
उसको जो	पढ़ा जाता है	तुम्हारे घरों में	आयात में से	अल्लाह की	और हिक्मत में से	बेशक
اللَّهُ	كَانَ	لَطِيفًا	خَبِيرًا 34	إِنَّ	الْمُسْلِمِينَ	وَالْمُسْلِمَاتِ
अल्लाह	है	बहुत बारीक बीन	ख़ूब बाख़बर	बेशक	मुसलमान मर्द	और मुसलमान औरतें

وَالْمُؤْمِنِينَ	وَالْمُؤْمِنَاتِ	وَالْقَنَاتِينَ	وَالْقَنَاتِ	وَالصُّدِقِينَ
और मोमिन मर्द	और मोमिन औरतें	और फ़रमांबरदार मर्द	और फ़रमांबरदार औरतें	और सच्चे मर्द
وَالصُّدِيقَاتِ	وَالصَّابِرِينَ	وَالصَّابِرَاتِ	وَالْخَشِيعِينَ	وَالْخَشِيعَاتِ
और सच्ची औरतें	और सब्र करने वाले मर्द	और सब्र करने वाली औरतें	और खुशूअ करने वाले मर्द	और खुशूअ करने वाली औरतें
وَالْمُتَصَدِّقِينَ	وَالْمُتَصَدِّقَاتِ	وَالصَّابِغِينَ	وَالصَّابِغَاتِ	وَالْحَفِظِينَ
और सदका देने वाले मर्द	और सदका देने वाली औरतें	और रोज़ा रखने वाले मर्द	और रोज़ा रखने वाली औरतें	और हिफ़ाज़त करने वाले मर्द
فُرُوجَهُمْ	وَالْحَفِظَاتِ	وَالذِّكْرَيْنِ	اللَّهُ	كَثِيرًا
अपनी शर्मगाहों की	और हिफ़ाज़त करने वाली औरतें	और ज़िक्र करने वाले मर्द	अल्लाह का	बहुत ज़्यादा
وَالذِّكْرَاتِ	وَالْأَعْدَاءُ	وَالْمَغْفِرَةُ	وَأَجْرًا	عَظِيمًا 35
और ज़िक्र करने वाली औरतें	तैयार कर रखी है	उनके लिए	और अजर	बहुत बड़ा
وَالْمَغْفِرَةُ	وَأَجْرًا	عَظِيمًا 35	وَمَا	كَانَ
मग़फ़िरत	और अजर	बहुत बड़ा	और नहीं	है
لِئُومِنٍ	وَلَا	مُؤْمِنَةٍ	إِذَا	قَضَى
किसी मोमिन मर्द के लिए	और ना	किसी मोमिन औरत के लिए	जब	फ़ैसला कर दे
أَمْرًا	أَنْ	يَكُونُ	لَهُمْ	الْخَيْرَةُ
किसी मामले का	कि	हो	उनके लिए	कोई इख़्तियार
يَعْصِ	اللَّهُ	وَرَسُولُهُ	فَقَدْ	ضَلَّ
नाफ़रमानी करेगा	अल्लाह की	और उसके रसूल की	तो तहक़ीक़	वो भटक गया
مُبِينًا 36	ضَلَّ	وَأَنْعَمْتَ	عَلَيْهِ	وَأَنْعَمْتَ
खुल्लम-खुल्ला	भटकना	और इनआम किया आपसे	जिस पर	जिस पर
وَأَذُ	تَقُولُ	لِلَّذِي	أَنْعَمَ	اللَّهُ
और जब	आप कह रहे थे	उस शख्स से	इनआम किया	अल्लाह ने
أَمْسِكَ	عَلَيْكَ	زَوْجَكَ	وَأَتَّقِ	اللَّهُ
रोक रख	अपने पास	अपनी बीवी को	और डर	अल्लाह से
فِي نَفْسِكَ	وَتُخْفِي	وَأَنْعَمْتَ	عَلَيْهِ	وَأَنْعَمْتَ
अपने दिल में	और आप छुपाते थे	और इनआम किया आपसे	जिस पर	जिस पर

مَا	اللَّهُ	مُبْدِيهِ	وَتَخْشَى	النَّاسَ ٣	وَاللَّهُ	أَحَقُّ	أَنْ
वो जो	अल्लाह	ज़ाहिर करने वाला था उसे	और आप डर रहे थे	लोगों से	हालांकि अल्लाह	ज़्यादा हक़दार है	कि
تَخْشَهُ ٤	فَلَمَّا	قَضَى	زَيْدٌ	مِنْهَا	وَطَرًا	زَوَّجْنَاهَا	
आप डरें उससे	फिर जब	पूरी कर चुका	ज़ैद	उस से	हाजत	हमने आपका उस से निकाह कर दिया	
لَكِي لَا	يَكُونُ	عَلَى الْمُؤْمِنِينَ	حَرْجٌ	فِي أَزْوَاجٍ	أَدْعِيَاءِهِمْ		
ताकि ना	हो	मोमिनो पर	कोई तंगी	बीवियों के मामले में	अपने मुंह बोले बेटों की		
إِذَا	قَضَوْا	مِنْهُمْ	وَطَرًا ٥	وَكَانَ	أَمْرُ	اللَّهُ	مَفْعُولًا ٣٧
जब	वो पूरा कर चुकें	उनसे	हाजत	और है	हुक़म	अल्लाह का	होकर रहने वाला
مَا	كَانَ	عَلَى النَّبِيِّ	مِنْ حَرْجٍ	فِيهَا	فَرَضَ	اللَّهُ	لَهُ ٥
नहीं	है	नबी पर	कोई तंगी	उसमें जो	मुक़र्रर किया	अल्लाह ने	उसके लिए
سُنَّةَ	اللَّهُ	فِي الَّذِينَ	خَلَوْا	مِنْ قَبْلُ ٥	وَكَانَ	أَمْرُ	
तरीक़ा है	अल्लाह का	उन लोगों में जो	गुज़र चुके	उससे पहले	और है	हुक़म	
اللَّهُ	قَدَرًا	مَّقْدُورًا ٣٨	الَّذِينَ	يُبَلِّغُونَ	رِسَلَتِ	اللَّهُ	
अल्लाह का	एक अंदाज़ा	मुक़र्रर किया हुआ	वो लोग जो	पहुंछाते हैं	पैग़ामात	अल्लाह के	
وَيَخْشَوْنَهُ	وَلَا	يَخْشَوْنَ	أَحَدًا	إِلَّا	اللَّهُ ٥	وَكَفَى	بِاللَّهِ
और वो डरते हैं उससे	और नहीं	वो डरते	किसी एक से भी	सिवाए	अल्लाह के	और काफ़ी है	अल्लाह
حَسِيبًا ٣٩	مَا	كَانَ	مُحَمَّدٌ	أَبَا	أَحَدٍ	مِّن رِّجَالِكُمْ	
हिसाब लेने वाला	नहीं	हैं	मोहम्मद	बाप	किसी एक के	तुम्हारे मर्दों में से	
وَلَكِنْ	رَّسُولَ	اللَّهُ	وَخَاتَمَ النَّبِيِّينَ ٥	وَكَانَ	اللَّهُ	بِكُلِّ	
और लेकिन	रसूल हैं	अल्लाह के	हैं ख़ातम़ नबीय़िन और	और है	अल्लाह	हर	

شَيْءٍ	عَلَيْهَا ④٠	يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمِنُوا	اذْكُرُوا	اللَّهُ	ذِكْرًا
चीज़ को	ख़ूब जानने वाला	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	ज़िक्र करो	अल्लाह का	ज़िक्र करना
كَثِيرًا ④١	وَسَبِّحُوهُ	بُكْرَةً	وَاصِيلًا ④٢	هُوَ	الَّذِي	يُصَلِّي
कसरत से	और तस्बीह करो उसकी	सुबह	और शाम	वो ही है	जो	रहमत भेजता है
عَلَيْكُمْ	وَمَلَائِكَتُهُ	لِيُخْرِجَكُمْ	مِّنَ الظُّلُمَاتِ	إِلَى النُّورِ ط		
तुम पर	और उसके फ़रिश्ते (दुआ करते हैं)	ताकि वो निकाले तुम्हें	अंधेरों से	तरफ़ रोशनी के		
وَكَانَ	بِالْمُؤْمِنِينَ	رَحِيمًا ④٣	تَحِيَّتُهُمْ	يَوْمَ	يَلْقَوْنَهُ	
और है वो	मोमिनों पर	ख़ूब रहम फ़रमाने वाला	उनकी दुआ होगी	जिस दिन	वो मिलेंगे उससे	
سَلَامٌ ④٤	وَأَعَدَّ	لَهُمْ	أَجْرًا	كَرِيمًا ④٤	يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ	إِنَّا
सलाम	और उसने तैयार कर रखा है	उनके लिए	अज़्र	उम्दा/बाइज़ज़त	ऐ	बेशक हम
أَرْسَلْنَاكَ	شَاهِدًا	وَمُبَشِّرًا	وَنَذِيرًا ④٥	وَدَاعِيًا	إِلَى اللَّهِ	
भेजा हमने आपको	गवाही देने वाला	और खुशख़बरी देने वाला	और डराने वाला बना कर	और दावत देने वाला	तरफ़ अल्लाह के	
بِإِذْنِهِ	وَسِرَاجًا	مُنِيرًا ④٦	وَبَشِيرًا	الْمُؤْمِنِينَ	بِأَنَّ	
उसके इज़्ज़न से	और चिराग़	रोशन	और खुशख़बरी दे दीजिए	मोमिनों को	कि बेशक	
لَهُمْ	مِّنَ اللَّهِ	فَضْلًا	كَبِيرًا ④٧	وَلَا	تُطِيعُ	الْكُفْرِينَ
उनके लिए	अल्लाह की तरफ़ से है	फ़ज़ल	बहुत बड़ा	और ना	आप इताअत कीजिए	काफ़िरों की
وَالْمُنَافِقِينَ	وَدَعْ	أَذْهَبَهُمْ	وَتَوَكَّلْ	عَلَى اللَّهِ ط	وَكَفَى	بِاللَّهِ
और मुनाफ़िकों की	और नज़र अंदाज़ कर दीजिए	उनकी अज़ियत रसानी को	और तवक्कल कीजिए	अल्लाह पर	और काफ़ी है	अल्लाह
وَكَيْلًا ④٨	يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمِنُوا	إِذَا	نَكَحْتُمْ	الْمُؤْمِنَاتِ	ثُمَّ
कारसाज़	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	जब	निकाह करो तुम	मोमिन औरतों से	फिर

طَلَّقْتُهُنَّ	مِنْ قَبْلِ	أَنْ	تَسُوهُنَّ	فَبَا	لَكُمْ	عَلَيْهِنَّ
तलाक़ दे दो तुम उन्हें	इससे पहले	कि	तुम छुओ उन्हें	तो नहीं	तुम्हारे लिए	उन पर
مِنْ عِدَّةٍ	تَعْتَدُونَهَا	فَتَتَعَوَّهِنَّ	وَسَرَّحُوهُنَّ	سَرَّاحًا	جَبِيلًا 49	
कोई इद्त	कि तुम शुमार करो उसे	तो कुछ फ़ायदा दो उन्हें	और रुख़सत करो उन्हें	रुख़सत करना	भले तरीक़े से	
يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ	إِنَّا	أَحْلَلْنَا	لَكَ	أَزْوَاجَكَ	الَّتِي	آتَيْتَ
नबी	बेशक हम	हलाल कर दीं हमने	आपके लिए	बीवियां आपकी	वो जिन्हें	दिए आपने
أُجُورَهُنَّ	وَمَا	مَلَكَتْ	يَبِينُكَ	مِمَّا	أَفَاءَ	اللَّهُ
महर उनके	और जिनका	मालिक है	दायां हाथ आपका	उसमें से जो	लौटाया	अल्लाह ने
وَبَنَاتٍ	عِمَّكَ	وَبَنَاتٍ	عَمَّتِكَ	وَبَنَاتٍ	خَالِكَ	وَبَنَاتٍ
और बेटियां	आपके चचा की	और बेटियां	आपकी फूफियों की	और बेटियां	आपके मामूं की	और बेटियां
خَلَّتِكَ	الَّتِي	هَاجَرْنَ	مَعَكَ	وَأَمْرًا	مُؤْمِنَةً	إِنْ
आपकी ख़ालाओं की	वो जिन्होंने	हिजरत की	आपके साथ	और कोई औरत	मोमिना	अगर
وَهَبَتْ	نَفْسَهَا	لِلنَّبِيِّ	إِنْ	أَرَادَ	النَّبِيُّ	أَنْ
वो हिबा कर दे	अपने नफ़्स को	नबी के लिए	अगर	इरादा करें	नबी	कि
يَسْتَنْكِحَهَا						
वो निकाह करें उससे						
خَالِصَةً	لَّكَ	مِنْ دُونِ	الْمُؤْمِنِينَ	قَدْ	عَلِمْنَا	مَا
ख़ास है	आपके लिए	सिवाए	मोमिनों के	तहक़ीक़	जान लिया हमने	जो
فَرَضْنَا	عَلَيْهِمْ	فِي أَزْوَاجِهِمْ	وَمَا	مَلَكَتْ	أَيْمَانُهُمْ	
फ़र्ज़ किया हमने	उन पर	उनकी बीवियों के मामले में	और जिनके	मालिक हैं	दाएं हाथ उनके	
يَكِيلًا	يَكُونُ	عَلَيْكَ	حَرَجٌ	وَكَانَ	اللَّهُ	غَفُورًا
ताकि ना	हो	आप पर	कोई तंगी	और है	अल्लाह	बहुत बख़्शने वाला

رَّحِيمًا 50	تُرْجَى	مَنْ	تَشَاءُ	مِنْهُمْ	وَتُؤَيَّ	إِلَيْكَ	مَنْ
निहायत रहम करने वाला	आप दूर रखें	जिसे	आप चाहें	उनमें से	और आप जगह दें	अपने पास	जिसे
تَشَاءُ ط	وَمِنْ	ابْتَغَيْتَ	مِمَّنْ	عَزَلْتَ	فَلَا	جُنَاحَ	
आप चाहें	और जिसे	तलब करें आप	उनमें से जिसे	अलग कर दिया हो आपने	तो नहीं	कोई गुनाह	
عَلَيْكَ ط	ذَلِكَ	أَدْنَى	أَنْ	تَقَرَّرَ	أَعْيُنُهُنَّ	وَلَا	يَحْزَنَ
आप पर	ये	करीबतर है	कि	ठंडी हों	आंखें उनकी	और ना	वो ग़मगीन हों
وَيَرْضَيْنَ	بِأَ	اتَّيْتَهُنَّ	كُلُّهُنَّ ط	وَاللَّهُ	يَعْلَمُ	مَا	
और वो राज़ी रहें	उस पर जो	दें आप उन्हें	सब की सब	और अल्लाह	वो जानता है	जो	
فِي قُلُوبِكُمْ ط	وَكَانَ	اللَّهُ	عَلِيمًا	حَلِيمًا 51	لَا يَحِلُّ	لَكَ	
तुम्हारे दिलों में है	और है	अल्लाह	बहुत इल्म वाला	खूब हिल्म वाला	नहीं हलाल	आपके लिए	
النِّسَاءُ	مِنْ بَعْدُ	وَلَا	أَنْ	تَبَدَّلَ	بِهِنَّ	مِنْ أَزْوَاجٍ	وَلَوْ
औरतें	बाद इसके	और ना	कि	आप बदल लें	उनके बदले	कोई और बीवियां	और अगरचे
أَعْجَبَكَ	حُسْنُهُنَّ	إِلَّا	مَا	مَلَكَتْ	يَبِينُكَ ط	وَكَانَ	اللَّهُ
पसंद आए आपको	हुसन उनका	मगर	जिनका	मालिक है	दायां हाथ आपका	और है	अल्लाह
عَلَى	كُلِّ	شَيْءٍ	رَّقِيبًا 52	يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا 53	لَا تَدْخُلُوا	
ऊपर	हर	चीज़ के	खूब निगरान	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	ना तुम दाखिल हो	
بُيُوتَ	النَّبِيِّ	إِلَّا	أَنْ	يُؤْذَنَ	لَكُمْ	إِلَى طَعَامٍ	غَيْرِ
घरों में	नबी के	मगर	ये कि	इजाज़त दी जाए	तुम्हें	तरफ़ खाने के	ना
نُظَرَيْنَ	إِنَّهُ	وَلَكِنْ	إِذَا	دُعِيتُمْ	فَادْخُلُوا	فَإِذَا	
इंतिज़ार करने वाले हो	उसकी तैयारी का	और लेकिन	जब	बुलाए जाओ तुम	तो दाखिल हो जाओ	फिर जब	

طَعِبْتُمْ	فَانْتَشَرُوا	وَلَا	مُسْتَأْنِسِينَ	لِحَدِيثٍ ^ط	إِنَّ	ذَلِكَ	كَانَ
खाना खा लो तुम	तो मुंतशिर हो जाओ	और ना हो	दिल लगाने वाले	बातों के लिए	बेशक	ये	है
يُؤْذِي	النَّبِيَّ	فَيَسْتَحْي	مِنْكُمْ ^ز	وَاللَّهُ	لَا يَسْتَحْي	مِنَ الْحَقِّ ^ط	
ईज़ा देता	नबी को	तो वो शर्मति हैं	तुमसे	और अल्लाह	नहीं शर्माता	हक से	
وَإِذَا	سَأَلْتَهُنَّ	مَتَاعًا	فَسَأَلُوهُنَّ	مِنْ وَرَاءِ	حِجَابٍ ^ط	ذَلِكَ	
और जब	सवाल करो तुम उनसे	किसी चीज़ का	तो सवाल करो उनसे	पीछे से	पर्दे के	ये बात	
أَطْهَرُ	لِقُلُوبِكُمْ	وَقُلُوبِهِنَّ ^ط	وَمَا	كَانَ	لَكُمْ	أَنْ	
ज़्यादा पाकीज़ा है	तुम्हारे दिलों के लिए	और उनके दिलों के लिए	और नहीं	है (मुनासिब)	तुम्हारे लिए	कि	
تُؤْذُوا	رَسُولَ اللَّهِ	وَلَا	أَنْ	تَنْكِحُوا	أَزْوَاجَهُ	مِنْ بَعْدِهِ	
तुम ईज़ा दो	अल्लाह के रसूल को	और ना	ये कि	तुम निकाह करो	उसकी बीवियों से	बाद उसके	
أَبَدًا ^ط	إِنَّ	ذَلِكَ	كَانَ	عِنْدَ	اللَّهِ	عَظِيمًا ⁵³	إِنْ
कभी भी	बेशक	ये (बात)	है	नज़दीक	अल्लाह के	बहुत बड़ी	अगर
شَيْئًا	أَوْ	تُخْفُوهُ	فَإِنَّ	اللَّهَ	كَانَ	بِكُلِّ شَيْءٍ	عَلِيمًا ⁵⁴
कोई चीज़	या	तुम छुपाओगे उसे	तो बेशक	अल्लाह	है	हर	ख़ूब जानने वाला
لَا جُنَاحَ	عَلَيْهِنَّ	فِي آبَائِهِنَّ	وَلَا	أَبْنَائِهِنَّ	وَلَا	إِخْوَانِهِنَّ	
नहीं कोई गुनाह	उन (औरतों) पर	अपने बापों (के सामने आने) में	और ना	अपने बेटों के	और ना	अपने भाईयों के	
وَلَا	أَبْنَاءَ	إِخْوَانِهِنَّ	وَلَا	أَبْنَاءَ	أَخَوَاتِهِنَّ	وَلَا	نِسَائِهِنَّ
और ना	बेटों के	अपने भाईयों के	और ना	बेटों के	अपनी बहनों के	और ना	अपनी औरतों के
وَلَا	مَا	مَلَكَتْ	أَيْمَانُهُنَّ ^ج	وَاتَّقِينَ	اللَّهُ ^ط	إِنَّ	اللَّهَ
और ना	उनके जो	मालिक हैं	दाएँ हाथ उनके	और डरती रहो	अल्लाह से	बेशक	अल्लाह

كَانَ	عَلَى	كُلِّ	شَيْءٍ	شَهِيدًا 55	إِنَّ	اللَّهِ	وَمَلَائِكَتَهُ
है	ऊपर	हर	चीज़ के	खूब गवाह	बेशक	अल्लाह	और उसके फ़रिश्ते
يُصَلُّونَ	عَلَى النَّبِيِّ ط	يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا	صَلُّوا	عَلَيْهِ	وَسَلِّمُوا	
सलात/दुरूद भेजते हैं	नबी पर	ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	सलात/दुरूद भेजो	आप पर	और सलाम भेजो	
تَسْلِيمًا 56	إِنَّ	الَّذِينَ	يُؤْذُونَ	اللَّهِ	وَرَسُولَهُ	لَعَنَهُمُ	اللَّهُ
खूब सलाम भेजना	बेशक	वो जो	ईज़ा देते हैं	अल्लाह को	और उसके रसूल को	लानत की उन पर	अल्लाह ने
فِي الدُّنْيَا وَالْآخِرَةِ	وَاعَدَ	لَهُمْ	عَذَابًا مُّهِينًا 57	وَالَّذِينَ			
दुनिया में	और आखिरत में	और उसने तैयार कर रखा है	उनके लिए	अज़ाब	रुस्वा करने वाला	और वो जो	
يُؤْذُونَ	الْمُؤْمِنِينَ	وَالْمُؤْمِنَاتِ	بِغَيْرِ	مَا	اَكْتَسَبُوا	فَقَدْ	
ईज़ा देते हैं	मोमिन मदों को	और मोमिन औरतों को	बग़ैर (किसी गुनाह के)	जो	उन्होंने कमाया	तो तहकीक	
اِحْتَبَلُوا بُهْتَانًا	وَإِثْمًا مُّبِينًا 58	يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ	قُلْ	لِأَزْوَاجِكَ			
उन्होंने उठा लिया	बोहतान	और गुनाह	खुला	ऐ	नबी	कह दीजिए	अपनी वीवियों से
وَبَنَاتِكَ	وَنِسَاءِ	الْمُؤْمِنِينَ	يُدْنِينَ	عَلَيْهِنَّ	مِنْ جَلَابِئِبِهِنَّ ط		
और अपनी बेटियों से	और औरतों से	मोमिनों की	कि वो लटका लें	अपने ऊपर	अपनी चादरों में से		
ذَلِكَ	أَدْنَى	أَنْ	يُعْرَفْنَ	فَلَا	يُؤْذِينَ ط	وَكَانَ	اللَّهُ
ये	करीबतर है	कि	वो पहचान ली जाएं	फिर ना	वो ईज़ा दी जाएं	और है	अल्लाह
غَفُورًا	رَحِيمًا 59	لَيْنٌ	لَمْ	يَنْتَهُ	الْمُنْفِقُونَ	وَالَّذِينَ	
बहुत बख़्शने वाला	निहायत रहम करने वाला	अलबत्ता अगर	ना	बाज़ आए	मुनाफ़िक़	और वो जो	
فِي قُلُوبِهِمْ	مَرَضٌ	وَالْبُرْجُفُونَ	فِي الْمَدِينَةِ	لَنُغْرِيَنَّكَ			
दिलों में उनके	मर्ज़ है	और झूठी ख़बरें उड़ाने वाले	मदीने में	अलबत्ता हम ज़रूर मुसल्लत कर देंगे आपको			

بِهِمْ ثُمَّ	لَا يُجَاوِرُونَكَ	فِيهَا	إِلَّا	قَلِيلًا 60	مَّلْعُونِينَ ٦١
उन पर	फिर	ना वो हमसाए में रहेंगे आपके	उसमें	मगर	बहुत थोड़ा
لَا يُجَاوِرُونَكَ	فِيهَا	إِلَّا	قَلِيلًا 60	مَّلْعُونِينَ ٦١	بِهِمْ ثُمَّ
उन पर	फिर	ना वो हमसाए में रहेंगे आपके	उसमें	मगर	बहुत थोड़ा
أَيْنَمَا	تُقْفُوا	أُخْذُوا	وَقَتِّلُوا	تَقْتِيلًا 61	سُنَّةَ
जहां कहीं	वो पाए जाएं	वो पकड़ लिए जाएं	और कत्ल कर दिए जाएं	बुरी तरह कत्ल किया जाना	तरीका है
أَيْنَمَا	تُقْفُوا	أُخْذُوا	وَقَتِّلُوا	تَقْتِيلًا 61	سُنَّةَ
जहां कहीं	वो पाए जाएं	वो पकड़ लिए जाएं	और कत्ल कर दिए जाएं	बुरी तरह कत्ल किया जाना	तरीका है
فِي الَّذِينَ	خَلَوْا	مِنْ قَبْلُ ٦٢	وَلَنْ	تَجِدَ	لِسُنَّةِ
उनके बारे में जो	गुज़र चुके	इससे पहले	और हरगिज़ ना	आप पाएंगे	तरीके में
فِي الَّذِينَ	خَلَوْا	مِنْ قَبْلُ ٦٢	وَلَنْ	تَجِدَ	لِسُنَّةِ
उनके बारे में जो	गुज़र चुके	इससे पहले	और हरगिज़ ना	आप पाएंगे	तरीके में
تَبْدِيلًا 62	يَسْأَلُكَ	النَّاسُ	عَنِ السَّاعَةِ ٦٣	قُلْ	إِنَّمَا
कोई तब्दीली	सवाल करते हैं आपसे	लोग	क्रयामत के बारे में	कह दीजिए	बेशक
تَبْدِيلًا 62	يَسْأَلُكَ	النَّاسُ	عَنِ السَّاعَةِ ٦٣	قُلْ	إِنَّمَا
कोई तब्दीली	सवाल करते हैं आपसे	लोग	क्रयामत के बारे में	कह दीजिए	बेशक
عَلَيْهَا	عِنْدَ	اللَّهِ ٦٤	وَمَا	يُذَرِّيكَ	لَعَلَّ
इल्म उसका	पास है	अल्लाह के	और क्या चीज़	बताए आपको	शायद कि
عَلَيْهَا	عِنْدَ	اللَّهِ ٦٤	وَمَا	يُذَرِّيكَ	لَعَلَّ
इल्म उसका	पास है	अल्लाह के	और क्या चीज़	बताए आपको	शायद कि
قَرِيبًا 63	إِنَّ	اللَّهَ	لَعَنَ	الْكُفْرَيْنَ	وَاعَدَ
करीब ही	बेशक	अल्लाह ने	लानत की है	काफ़िरों पर	और उसने तैयार कर रखा है
قَرِيبًا 63	إِنَّ	اللَّهَ	لَعَنَ	الْكُفْرَيْنَ	وَاعَدَ
करीब ही	बेशक	अल्लाह ने	लानत की है	काफ़िरों पर	और उसने तैयार कर रखा है
خُلْدِينَ	فِيهَا	أَبَدًا ٦٥	لَا يَجِدُونَ	وَلِيًّا	وَلَا
हमेशा रहने वाले हैं	उस में	हमेशा-हमेशा	ना वो पाएंगे	कोई दोस्त	और ना
خُلْدِينَ	فِيهَا	أَبَدًا ٦٥	لَا يَجِدُونَ	وَلِيًّا	وَلَا
हमेशा रहने वाले हैं	उस में	हमेशा-हमेशा	ना वो पाएंगे	कोई दोस्त	और ना
يَوْمَ	تُقَلَّبُ	وَجُوهُهُمْ	فِي النَّارِ	يَقُولُونَ	يَلَيْتَنَّا
जिस दिन	उलट पुलट किए जाएंगे	चेहरे उनके	आग में	वो कहेंगे	ऐ काश कि हम
يَوْمَ	تُقَلَّبُ	وَجُوهُهُمْ	فِي النَّارِ	يَقُولُونَ	يَلَيْتَنَّا
जिस दिन	उलट पुलट किए जाएंगे	चेहरे उनके	आग में	वो कहेंगे	ऐ काश कि हम
أَطَعْنَا	اللَّهَ	وَأَطَعْنَا	الرَّسُولَ 66	وَقَالُوا	رَبَّنَا
इताअत करते हम	अल्लाह की	और इताअत करते हम	रसूल की	और वो कहेंगे	ऐ हमारे रब
أَطَعْنَا	اللَّهَ	وَأَطَعْنَا	الرَّسُولَ 66	وَقَالُوا	رَبَّنَا
इताअत करते हम	अल्लाह की	और इताअत करते हम	रसूल की	और वो कहेंगे	ऐ हमारे रब
أَطَعْنَا	سَادَتَنَا	وَكُبْرَاءَنَا	فَاضِلُونَا	السَّبِيلَ 67	رَبَّنَا
इताअत की हमने	अपने सरदारों की	और अपने बड़ों की	तो उन्होंने भटका दिया हमें	रास्ते से	ऐ हमारे रब
أَطَعْنَا	سَادَتَنَا	وَكُبْرَاءَنَا	فَاضِلُونَا	السَّبِيلَ 67	رَبَّنَا
इताअत की हमने	अपने सरदारों की	और अपने बड़ों की	तो उन्होंने भटका दिया हमें	रास्ते से	ऐ हमारे रब

أَتَيْهِمْ	ضِعْفَيْنِ	مِنَ الْعَذَابِ	وَالْعَنَهُمْ	لَعْنًا	كَبِيرًا ﴿٦٨﴾		
दे इन्हें	दोगुना	अज़ाब में से	और लाअनत फ़रमा इन पर	लानत	बहुत बड़ी		
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا	لَا تَكُونُوا	كَالَّذِينَ	أَذُوا	مُوسَى		
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	ना तुम हो जाओ	उनकी तरह जिन्होंने	अज़ियतें दीं	मूसा को		
فَبَرَّاهُ	اللَّهُ	مِمَّا	قَالُوا	وَكَانَ	عِنْدَ	اللَّهُ	وَجِيهًا ﴿٦٩﴾
तो बरी कर दिया उसे	अल्लाह ने	उससे जो	उन्होंने कहा था	और था वो	नज़दीक	अल्लाह के	बहुत बाइज़त
يَا أَيُّهَا الَّذِينَ	أَمَنُوا	اتَّقُوا	اللَّهُ	وَقُولُوا	قَوْلًا	سَدِيدًا ﴿٧٠﴾	
ऐ लोगो जो	ईमान लाए हो	डरो	अल्लाह से	और कहो	बात	सीधी	
يُصْلِحْ	لَكُمْ	أَعْبَالَكُمْ	وَيَغْفِرْ	لَكُمْ	ذُنُوبَكُمْ ﴿٧١﴾	وَمَنْ	
वो इस्लाह कर देगा	तुम्हारे लिए	तुम्हारे आमाल की	और वो बख़्श देगा	तुम्हारे लिए	तुम्हारे गुनाहों को	और जो कोई	
يُطِيعِ	اللَّهُ	وَرَسُولَهُ	فَقَدْ	فَازَ	فَوْزًا	عَظِيمًا ﴿٧١﴾	إِنَّا
इताअत करेगा	अल्लाह की	और उसके रसूल की	तो तहक़ीक़	वो कामयाब हुआ	कामयाब होना	बहुत बड़ा	बेशक हम
عَرَضْنَا	الْأَمَانَةَ	عَلَى السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	وَالْجِبَالِ	فَابَيْنَ		
पेश किया हमने	अमानत को	आसमानों पर	और ज़मीन पर	और पहाड़ों पर	तो उन्होंने इंकार कर दिया		
أَنْ	يَحْبِلْنَهَا	وَأَشْفَقْنَ	مِنْهَا	وَحَبَلَهَا	الْإِنْسَانُ ﴿٧٢﴾	إِنَّهُ	
कि	वो उठाएँ उसे	और वो डर गए	उससे	और उठा लिया उसे	इंसान ने	बेशक वो	
كَانَ	ظُلُومًا	جَهُولًا ﴿٧٢﴾	لِيُعَذِّبَ	اللَّهُ	الْمُنْفِقِينَ	وَالْمُنْفِقَاتِ	
है	बहुत ज़ालिम	बहुत जाहिल	ताकि अज़ाब दे	अल्लाह	मुनाफ़िक़ मर्दों	और मुनाफ़िक़ औरतों को	
وَالْمُشْرِكِينَ	وَالْمُشْرِكَاتِ	وَيَتُوبَ	اللَّهُ	عَلَى الْمُؤْمِنِينَ			
और मुशरिक मर्दों	और मुशरिक औरतों को	और मेहरबान हो जाए	अल्लाह	मोमिन मर्दों पर			

وَالْمُؤْمِنَاتُ ط	وَكَانَ	اللَّهُ	غَفُورًا	رَّحِيمًا ع (73)
और मोमिन औरतों पर	और है	अल्लाह	बहुत बख्शने वाला	निहायत रहम करने वाला

آيَاتُهَا: 54	سُورَةُ سَبَا مَكِّيَّةٌ 58	رُكُوعَاتُهَا: 6
---------------	-----------------------------	------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ
सब तारीफ़ अल्लाह के लिए है वो जो उसी के लिए है जो कुछ जो कुछ आसमानों में है और जो कुछ ज़मीन में है

وَلَهُ الْحَمْدُ فِي الْآخِرَةِ ط وَهُوَ الْحَكِيمُ الْخَبِيرُ ① يَعْلَمُ
और उसी के लिए है सब तारीफ़ आखिरत में और वो खूब हिक्मत वाला है खूब बाख़बर है वो जानता है

مَا يَلِجُ فِي الْأَرْضِ وَمَا يَخْرُجُ مِنْهَا وَمَا يَنْزِلُ
जो कुछ दाख़िल होता है और जो कुछ निकलता है उससे और जो कुछ उतरता है

مِنَ السَّمَاءِ وَمَا يَعْرُجُ فِيهَا ط وَهُوَ الرَّحِيمُ الْغَفُورُ ②
आसमान से और जो कुछ चढ़ता है उसमें और वो निहायत रहम करने वाला है बहुत बख्शने वाला है

وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا لَا تَأْتِينَا السَّاعَةُ ط قُلْ بَلَىٰ
और कहा उन लोगों ने जिन्होंने कुफ़्र किया हम पर नहीं आएगी क़यामत कह दीजिए क्यों नहीं

وَرَبِّي لَتَأْتِيَٰنَكُمْ ٧ عِلْمِ الْغَيْبِ ج لَا يَعْزُبُ عَنْهُ
क़सम है मेरे रब की अलबत्ता वो ज़रूर आएगी तुम्हारे पास जानने वाला है ग़ैब का नहीं छुपा हुआ उससे

مِثْقَالُ ذَرَّةٍ فِي السَّمَوَاتِ وَلَا فِي الْأَرْضِ وَلَا أَصْغَرُ
बराबर एक ज़र्रे के आसमानों में और ना ज़मीन में और ना छोटा

مِنْ ذَلِكَ وَلَا أَكْبَرُ إِلَّا فِي كِتَابٍ مُّبِينٍ ③ لِيَجْزِيَ
उससे और ना बड़ा मगर एक वाज़ेह किताब में है ताकि वो बदला दे

الَّذِينَ	أَمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ ^ط	أُولَئِكَ	لَهُمْ	مَغْفِرَةٌ
उनको जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक	यही लोग हैं	उनके लिए	बख्शिश
وَرِزْقٌ	كَرِيمٌ ^④	وَالَّذِينَ	سَعَوْ	فِي آيَاتِنَا	مُعْجِزِينَ	
और रिज़क है	इज़्जत वाला	और वो जिन्होंने	कोशिश की	हमारी आयात में	इस हाल में कि आजिज़ करने वाले हैं	
أُولَئِكَ	لَهُمْ	عَذَابٌ	مِّن رَّجْزٍ	أَلِيمٌ ^⑤	وَيَرَى	الَّذِينَ
यही लोग हैं	उनके लिए	अज़ाब है	सख्ती का	दर्दनाक	और देखते हैं	वो जो
أَوْثُوا	الْعِلْمَ	الَّذِي	أُنْزِلَ	إِلَيْكَ	مِن رَّبِّكَ	هُوَ
दिए गए	इल्म	कि जो	नाज़िल किया गया	आपकी तरफ़	आपके रब की तरफ़ से	वो ही
وَيَهْدِي	إِلَى صِرَاطٍ	الْعَزِيزِ	الْحَمِيدِ ^⑥	وَقَالَ	الَّذِينَ	
और वो रहनुमाई करता है	तरफ़ रास्ते के	बहुत ज़बरदस्त	खूब तारीफ़ वाले के	और कहा	उन लोगों ने जिन्होंने	
كَفَرُوا	هَلْ	نَدُّكُمْ	عَلَى رَجُلٍ	يُنَبِّئُكُمْ	إِذَا	
कुफ़ किया	क्या	हम बताएँ तुम्हें	ऐसा शख्स	जो ख़बर देता है तुम्हें	जब	
مُرَقَّتُمْ	كُلَّ	مُزَقٍّ ^ل	إِنَّكُمْ	لَفِي خَلْقٍ	جَدِيدٍ ^⑦	
रेज़ा-रेज़ा कर दिए जाओगे तुम	पूरी तरह	रेज़ा-रेज़ा किया जाना	बेशक तुम	अलबत्ता पैदाइश में होगे	नई	
أَفْتَرَى	عَلَى اللَّهِ	كَذِبًا	أَمْ	بِهِ	جِنَّةٌ ^ط	بَلِ
क्या उसने गढ़ लिया	अल्लाह पर	झूठ	या	उसे	कोई जुनून है	वो जो
لَا يُؤْمِنُونَ	بِالْآخِرَةِ	فِي الْعَذَابِ	وَالضَّلٰلِ	الْبَعِيدِ ^⑧	أَفَلَمْ	
नहीं वो ईमान लाते	आख़िरत पर	अज़ाब में	और गुमराही में हैं	दूर की	क्या भला नहीं	
يَرَوْا	إِلَى مَا	بَيْنَ أَيْدِيهِمْ	وَمَا	خَلْفَهُمْ	مِّنَ السَّمَاءِ	
उन्होंने देखा	उसकी तरफ़ जो	उनके सामने है	और जो	उनके पीछे है	आसमान से	

وَالْأَرْضُ ^ط	إِنْ	نُشَأُ	نَخِيفُ	بِهِمْ	الْأَرْضُ	أَوْ	نُسْقُطُ
और ज़मीन से	अगर	हम चाहें	हम धंसा दें	उन्हें	ज़मीन में	या	हम गिरा दें
عَلَيْهِمْ	كَسَفًا	مِّنَ السَّمَاءِ ^ط	إِنَّ	فِي ذَلِكَ	لَايَةً	لِّكُلِّ	عَبْدٍ
उन पर	कुछ टुकड़े	आसमान से	बेशक	उसमें	अलबत्ता एक निशानी है	वास्ते हर	बंदे
مُنِيبٌ ^ع	وَلَقَدْ	آتَيْنَا	دَاوُدَ	مِّنَّا	فَضْلًا ^ط	يُجِبَالُ	
रुजूअ करने वाले के	और अलबत्ता तहकीक	दिया हमने	दाऊद को	अपने पास से	फ़ज़ल	ऐ पहाड़ो	
أَوِّبِي	مَعَهُ	وَالطَّيْرِ ^ج	وَالنَّارِ	لَهُ	الْحَدِيدِ ^ل	أَنْ	
(तस्बीह) दोहराओ	साथ उसके	और परिंदों को (भी)	और नर्म किया हमने	उसके लिए	लोहा	कि	
اعْمَلْ	سِبْغَتِ	وَقَدَّرْ	فِي السَّرْدِ	وَأَعْمَلُوا	صَالِحًا ^ط	إِنِّي	
बनाओ	कुशादा ज़िरहें	और अंदाज़े पर रखो	हल्के में	और अमल करो	नेक	बेशक मैं	
بِمَا	تَعْمَلُونَ	بَصِيرٌ ^ح	وَلِسُلَيْمَانَ	الرَّيْحِ	غُدُوَّهَا		
उसे जो	तुम अमल करते हो	खूब देखने वाला हूं	और सुलैमान के लिए	हवा को (मुसख़्ख़र किया)	सुबह का चलना उसका		
شَهْرٌ	وَرَوَّاحَهَا	شَهْرٌ ^ج	وَأَسْلَنَّا	لَهُ	عَيْنَ	الْقَطْرِ ^ط	
एक माह का	और शाम का चलना उसका	एक माह का	और बहा दिया हमने	उसके लिए	चश्मा	पिघले हुए तांबे का	
وَمِنَ الْجِنَّ	مَنْ	يَعْمَلُ	بَيْنَ يَدَيْهِ	بِأَذْنِ	رَبِّهِ ^ط	وَمَنْ	
और जिनों में से	जो	काम करते थे	उसके सामने	इज़न से	उसके रब के	और जो	
يَزِغُ	مِنْهُمْ	عَنْ أَمْرِنَا	نُذِقُهُ	مِنْ عَذَابِ	السَّعِيرِ ^ح		
सरकशी करता	उनमें से	हमारे हुक्म से	हम चखाते उसे	अज़ाब से	भड़कती हुई आग के		
يَعْمَلُونَ	لَهُ	مَا	يَشَاءُ	مِنْ مَّحَارِبَ	وَتَبَاثِيلَ	وَجِفَانٍ	
वो बनाते	उसके लिए	जो	वो चाहता	बड़ी-बड़ी इमारतें	और मुजस्समें	और लगन	

كَالْجَوَابِ	وَقُدُورٍ	رُسِيَّتٍ ^ط	إِعْمَلُوا	أَلْ دَاوُدَ	شُكْرًا ^ط	وَقَلِيلٌ
हौज़ की तरह	और देंगे	गड़ी हुई	अमल करो	ऐ आले दाऊद	शुक्र करने के लिए	और कम ही हैं

مِنْ عِبَادِي	الشُّكُورُ ¹³	فَلَمَّا	قَضَيْنَا	عَلَيْهِ	الْمَوْتَ	مَا
मेरे बंदों में से	शुक्र गुज़ार	फिर जब	मुक़र्रर किया हमने	उस पर	मौत को	ना

دَلَّهُمْ	عَلَى مَوْتِهِ	إِلَّا	دَابَّةً	الْأَرْضِ	تَأْكُلُ	مِنْ سَاتِهِ ^ه
ख़बर दी उनको	उसकी मौत की	मगर	कीड़े ने	ज़मीन के	वो खाता रहा	उसका असा

فَلَمَّا	خَرَّ	تَبَيَّنَتْ	الْجُنُّ	أَنْ	لَوْ	كَانُوا	يَعْلَمُونَ
फिर जब	वो गिर पड़ा	वाज़ेह हो गया	जिन्नों पर	कि	अगर	होते वो	वो इल्म रखते

الْغَيْبِ	مَا	لَبِثُوا	فِي الْعَذَابِ	الْمُهَيْنِ ¹⁴	لَقَدْ	كَانَ	لِسَبَا
ग़ैब का	ना	वो रहते	अज़ाब में	रुस्वाकुन	अलबत्ता तहक़ीक़	थी	सबा के लिए

فِي مَسْكِنِهِمْ	آيَةٌ ^ه	جَنَّتِينَ	عَنْ يَمِينٍ	وَشِمَالٍ ^ه	كُلُوا
उनके घरों में	एक निशानी	दो बाग़	दाएँ तरफ़	और बाएँ तरफ़	खाओ

مِنْ رِزْقِ	رَبِّكُمْ	وَاشْكُرُوا	لَهُ ^ط	بَلَدَهُ	طَيِّبَةً	وَرَبِّ
रिज़क़ में से	अपने रब की	और शुक्र करो	उसका	शहर है	पाकीज़ा	और रब है

غَفُورٌ ¹⁵	فَاعْرَضُوا	فَارْسَلْنَا	عَلَيْهِمْ	سَيْلٌ	الْعَرِمِ
ख़ूब बख़्शने वाला	फिर वो मुंह मोड़ गए	तो भेजा हमने	उन पर	सैलाब	बंद तोड़

وَبَدَّلْنَاهُمْ	بِجَنَّتَيْهِمْ	جَنَّتَيْنِ	ذَوَاتِي أُكُلٍ خَطْبٍ	وَأَثَلٍ
और बदल कर दिए हमने उन्हें	बदले उनके दो बाग़ों के	दो बाग़	बद मज़ा फलों वाले	और झाओ के दरख़्त

وَأَشْيٍ	مِنْ سِدْرٍ	قَلِيلٍ ¹⁶	ذَلِكَ	جَزَيْنَاهُمْ	بِهَا	كَفَرُوا ^ط
और कुछ	बेरी के दरख़्त	थोड़े से	ये	बदला दिया हमने उन्हें	बवजह उसके जो	उन्होंने नाशुक्र की

وَهَلْ	نُجْزِي	إِلَّا	الْكَفُورَ ①7	وَجَعَلْنَا	بَيْنَهُمْ	وَبَيْنَ
और नहीं	हम बदला/सज़ा देते	मगर	सख्त नाशुके को	और बनाई थीं हमने	दर्मियान उनके	और दर्मियान
الْقُرَى	الَّتِي	بَرَكْنَا	فِيهَا	قُرَى	ظَاهِرَةً	وَقَدَّرْنَا
उन बस्तियों के	वो जो	बरकत दी हमने	जिनमें	बस्तियां	ज़ाहिर/नुमायां	और अंदाज़े पर रखी हमने
فِيهَا	السَّيْرِ ٭	سَيَرُوا	فِيهَا	لَيَالِي	وَأَيَّامًا	أَمِينِينَ ①8
उनमें	मसाफ़त	चलो फ़िरो	उसमें	रातों को	और दिनों को	अमन से रहने वाले
فَقَالُوا	رَبَّنَا	بَعْدُ	بَيْنَ	أَسْفَارِنَا	وَوَلَّيْنَا	أَنْفُسَهُمْ
तो उन्होंने कहा	ऐ हमारे रब	दूरी पैदा कर दे	दर्मियान	हमारे सफ़रों के	और उन्होंने जुलूम किया	अपनी जानों पर
فَجَعَلْنَاهُمْ	أَحَادِيثَ	وَمَرَّقْنَاهُمْ	كُلَّ	مَرْقٍ ٭	إِنَّ	فِي ذَلِكَ
तो बना दिया हमने उन्हें	बातें/अफ़साने	और रेज़ा-रेज़ा कर दिया हमने उन्हें	हर तरह	रेज़ा-रेज़ा करना	यक़ीनन	उसमें
لَايَةٍ	لِكُلِّ	صَبَّارٍ	شَكُورٍ ①9	وَلَقَدْ	صَدَقَ	عَلَيْهِمْ
अलबत्ता निशानियां हैं	वास्ते हर	बहुत सब्र करने वाले	बहुत शुक़ गुज़ार के	और अलबत्ता तहक़ीक़	सच कर दिखाया	उन पर
إِبْلِيسُ	ظَنَّهُ	فَاتَّبَعُوهُ	إِلَّا	فَرِيقًا	مِّنَ الْمُؤْمِنِينَ ②0	
इब्लीस ने	गुमान अपना	तो उन्होंने पैरवी की उसकी	सिवाय	एक गिरोह के	मोमिनों में से	
وَمَا	كَانَ	لَهُ	عَلَيْهِمْ	مِّنْ سُلْطٰنٍ	إِلَّا	لِنَعْلَمَ
और ना	था	उसका	उन पर	कोई ज़ोर	मगर	ताकि हम जान लें
يُؤْمِنُ	بِالْآخِرَةِ	مِمَّنْ	هُوَ	مِنْهَا	فِي شَكٍّ ٭	وَرَبُّكَ
ईमान लाता है	आख़िरत पर	उससे जो	वो है	उसके बारे में	शक़ में	और रब आपका
عَلَىٰ	كُلِّ	شَيْءٍ	حَفِيطٌ ②1	قُلِ	ادْعُوا	الَّذِينَ
ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब निगहबान है	कह दीजिए	पुकारो	उनको जिन्हें
						समझते हो तुम (माबूद)

مِنْ دُونِ	اللَّهِ	لَا يَبْلُكُونَ	مِثْقَالَ	ذَرَّةٍ	فِي السَّمَوَاتِ	وَلَا
सिवाए	अल्लाह के	नहीं वो मालिक हो सकते	बराबर	ज़र्रे के	आसमानों में	और ना
فِي الْأَرْضِ	وَمَا	لَهُمْ	فِيهَا	مِنْ شَرِكٍ	وَمَا	لَهُ مِنْهُمْ
ज़मीन में	और नहीं	उनके लिए	उन दोनों में	कोई हिस्सा	और नहीं	उनके लिए
مَنْ ظَهِيرٌ 22	وَلَا	تَنْفَعُ	الشَّفَاعَةُ	عِنْدَكَ	إِلَّا	لِمَنْ
कोई मददगार	और ना	फ़ायदा देगी	सिफ़ारिश	उसके पास	मगर	जिसके लिए
أَذِنَ	لَهُ	حَتَّى	إِذَا	فُزِعَ	عَنْ قُلُوبِهِمْ	قَالُوا
वो इजाज़त दे	उसे	यहां तक कि	जब	घबराहट दूर की जाएगी	उनके दिलों से	वो कहेंगे
مَا ذَا	قَالَ	رَبُّكُمْ	قَالُوا	الْحَقُّ	وَهُوَ	الْعَلِيُّ 23
क्या कुछ	फ़रमाया	तुम्हारे रब ने	वो कहेंगे	हक़	और वो ही है	बहुत बुलंद
قُلْ	مَنْ	يَرْزُقُكُمْ	مِنَ السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	قُلْ	اللَّهُ
कह दीजिए	कौन	रिज़क़ देता है तुम्हें	आसमानों से	और ज़मीन से	कह दीजिए	अल्लाह
وَإِنَّا	أَوْ	إِيَّاكُمْ	لَعَلَى هُدًى	أَوْ	فِي ضَلَالٍ	مُبِينٍ 24
और बेशक हम	या	तुम	अलबत्ता हिदायत पर हैं	या	गुमराही में हैं	खुली-खुली
قُلْ	لَا تُسْأَلُونَ	عَبَا	أَجْرُمْنَا	وَلَا	نُسْأَلُ	عَبَا
कह दीजिए	नहीं तुम पूछे जाओगे	उसके बारे में जो	जुर्म किए हमने	और ना	हम पूछे जाएंगे	उसके बारे में जो
تَعْمَلُونَ 25	قُلْ	يَجْمَعُ	بَيْنَنَا	رَبَّنَا	ثُمَّ	يَفْتَحُ
तुम अमल करते हो	कह दीजिए	जमा करेगा	हमारे दर्मियान	रब हमारा	फिर	वो फ़ैसला करेगा
بِالْحَقِّ	وَهُوَ	الْفَتْحُ	الْعَلِيمُ 26	قُلْ	أَرُونِي	الَّذِينَ
साथ हक़ के	और वो	ज़बरदस्त फ़ैसला करने वाला है	ख़ूब जानने वाला है	कह दीजिए	दिखाओ मुझे	वो जिन्हें

الْحَقُّمُ	بِهِ	شُرَكَاءَ	كَلَّا ^ط	بَلْ	هُوَ	اللَّهُ	الْعَزِيزُ
मिला दिया तुमने	साथ उसके	शरीक (बनाकर)	हरगिज़ नहीं	बल्कि	वो ही है	अल्लाह	बहुत ज़बरदस्त
الْحَكِيمُ ²⁷	وَمَا	أَرْسَلْنَاكَ	إِلَّا	كَافَّةً	لِلنَّاسِ	بَشِيرًا	
ख़ूब हिक्मत वाला	और नहीं	भेजा हमने आपको	मगर	तमाम	इंसानों के लिए	खुशख़बरी देने वाला	
وَنَذِيرًا	وَلَكِنَّ	أَكْثَرَ	النَّاسِ	لَا يَعْلَمُونَ ²⁸	وَيَقُولُونَ		
और डराने वाला बनाकर	और लेकिन	अक्सर	लोग	नहीं वो इल्म रखते	और वो कहते हैं		
مَتَى	هَذَا	الْوَعْدُ	إِنْ	كُنْتُمْ	صَادِقِينَ ²⁹	قُلْ	لَكُمْ
कब होगा	ये	वादा	अगर	हो तुम	सच्चे	कह दीजिए	तुम्हारे लिए
مِيعَادُ	يَوْمٍ	لَا تَسْتَأْخِرُونَ	عَنْهُ	سَاعَةً	وَلَا	تَسْتَقْدِمُونَ ³⁰	
वादा है	एक दिन का	ना तुम पीछे हो सकते हो	उससे	एक घड़ी भी	और ना	तुम आगे बढ़ सकते हो	
وَقَالَ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	لَنْ	نُؤْمِنَ	بِهَذَا	الْقُرْآنِ	وَلَا
और कहा	उन लोगों ने जिन्होंने	कुफ़्र किया	हरगिज़ नहीं	हम ईमान लाएंगे	साथ इस	कुरआन के	और ना
بِالَّذِي	بَيْنَ يَدَيْهِ ^ط	وَلَوْ	تَرَى	إِذِ	الظَّالِمُونَ	مَوْقُوفُونَ	
उसके जो	पहले है इससे	और काश	आप देखें	जब	ज़ालिम लोग	खड़े हुए होंगे	
عِنْدَ	رَبِّهِمْ ^ح	يَرْجِعُ	بَعْضُهُمْ	إِلَى بَعْضٍ	الْقَوْلِ ^ح	يَقُولُ	
सामने	अपने रब के	लौटाएगा	बाज़ उनका	तरफ़ बाज़ के	बात को	कहेंगे	
الَّذِينَ	اسْتَزْعِفُوا	لِلَّذِينَ	اسْتَكْبَرُوا	لَوْ لَا	أَنْتُمْ	لَكُنَّا	
वो लोग जो	कमज़ोर समझे गए थे	उनसे जिन्होंने	तकब्वुर किया	अगर ना होते	तुम	अलबत्ता होते हम	
مُؤْمِنِينَ ³¹	قَالَ	الَّذِينَ	اسْتَكْبَرُوا	لِلَّذِينَ	اسْتَزْعِفُوا		
मोमिन	कहेंगे	वो जिन्होंने	तकब्वुर किया	उनसे जो	कमज़ोर समझे गए		

أَنَحْنُ	صَدَدُنْكُمْ	عَنِ الْهُدَى	بَعْدَ	إِذْ	جَاءَكُمْ	بَلْ
क्या हमने	रोका था हमने तुम्हें	हिदायत से	बाद इसके कि	जब	वो आ गई तुम्हारे पास	बल्कि
كُنْتُمْ	مُجْرِمِينَ 32	وَقَالَ	الَّذِينَ	اسْتَضَعِفُوا	لِلَّذِينَ	
थे तुम ही	मुजरिम	और कहेंगे	वो जो	कमज़ोर समझे गए	उनसे जिन्होंने	
اسْتَكْبَرُوا	بَلْ	مَكْرُ	الَّيْلِ	وَالنَّهَارِ	إِذْ	تَأْمُرُونَنَا أَنْ
तकबुर किया	बल्कि	चाल थी	रात	और दिन की	जब	तुम हुक्म देते थे हमें
نَكْفُرُ	بِاللَّهِ	وَنَجْعَلُ	لَهُ	أَنْدَادًا ٦	وَأَسْرُوا	النَّدَامَةَ
हम कुफ़्र करें	साथ अल्लाह के	और हम बनाएँ	उसके लिए	कुछ शरीक	और वो छुपाएँगे	नदामत
لَبَّا	رَأَوْا	الْعَذَابَ ٧	وَجَعَلْنَا	الْأَغْلَلَ	فِي أَعْنَاقِ	الَّذِينَ
जब	वो देखेंगे	अज़ाब को	और हम डाल देंगे	तौक़	गर्दनो में	उनकी जिन्होंने
كَفَرُوا ٨	هَلْ	يُجْزَوْنَ	إِلَّا	مَا	كَانُوا	يَعْمَلُونَ 33
कुफ़्र किया	नहीं	वो बदला दिए जाएँगे	मगर	उसका जो	थे वो	अमल करते
أَرْسَلْنَا	فِي قَرْيَةٍ	مِّنْ نَّذِيرٍ	إِلَّا	قَالَ	مُتْرَفُوهَا ٩	إِنَّا
भेजा हमने	किसी बस्ती में	कोई डराने वाला	मगर	कहा	उसके खुशहाल लोगों ने	बेशक हम
بِئْسَ	أَرْسَلْتُمْ	بِهِ	كُفْرُونَ 34	وَقَالُوا	نَحْنُ	أَكْثَرُ
उसका जो	भेजे गए तुम	साथ उसके	इंकार करने वाले हैं	और उन्होंने कहा	हम	ज़्यादा हैं
أَمْوَالًا	وَأَوْلَادًا ١٠	وَمَا	نَحْنُ	بِعُذِّبِينَ 35	قُلْ	إِنَّ رَبِّي
माल में	और औलाद में	और नहीं	हम	अज़ाब दिए जाने वाले	कह दीजिए	बेशक
يَبْسُطُ	الرِّزْقَ	لِمَنْ	يَشَاءُ	وَيَقْدِرُ	وَلَكِنَّ	أَكْثَرَ
वो फैलाता है	रिज़क को	जिसके लिए	वो चाहता है	और वो तंग कर देता है	और लेकिन	अक्सर

النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ③٦	وَمَا	أَمْوَالُكُمْ	وَلَا	أَوْلَادُكُمْ	بِالَّتِي
लोग	नहीं वो जानते	और नहीं	माल तुम्हारे	और ना	औलाद तुम्हारी
تُقَرِّبُكُمْ	عِنْدَنَا	زُلْفَى	إِلَّا	مَنْ	أَمِنْ
कर करीब तुम्हें	हम से	दर्जे में	मगर	जो कोई	ईमान लाया
فَأُولَٰئِكَ	لَهُمْ	جَزَاءُ	الضَّعْفِ	بِهَا	عَبِلُوا
तो यही लोग हैं	उनके लिए	बदला है	दोगुना	बवजह उसके जो	उन्होंने अमल किए
فِي الْغُرُفِ	أَمْنُونَ ③٧	وَالَّذِينَ	يَسْعَوْنَ	فِي آيَاتِنَا	مُعْجِزِينَ
बाला खानों में	अमन में होंगे	और वो जो	कोशिश करते हैं	हमारी आयात में	इस हाल में कि आजिज़ करने वाले हैं
أُولَٰئِكَ	فِي الْعَذَابِ	مُحْضَرُونَ ③٨	قُلْ	إِنَّ	رَبِّي
यही लोग हैं	अज़ाब में	हाज़िर किए गए	कह दीजिए	बेशक	रब मेरा
الرِّزْقِ	لِسَنَ	يَشَاءُ	مِنْ عِبَادِهِ	وَيَقْدِرُ	لَهُ ٥
रिज़क	जिसके लिए	वो चाहता है	अपने बंदों में से	और वो तंग कर देता है	उसके लिए
أَنْفَقْتُمْ	مِنْ شَيْءٍ	فَهُوَ	يُخْلِفُهُ ٦	وَهُوَ	خَيْرُ
तुम खर्च करते हो	कुछ भी	तो वो	वो बदला देता है उसका	और वो	बेहतर है
وَيَوْمَ	يَحْشُرُهُمْ	جَمِيعًا	ثُمَّ	يَقُولُ	لِلْبَلِيَّةِ
और जिस दिन	वो इकट्ठा करेगा उन्हें	सब के सब को	फिर	वो फ़रमाएगा	फ़रिश्तों से
إِيَّاكُمْ	كَانُوا	يَعْبُدُونَ ④٠	قَالُوا	سُبْحَنَكَ	أَنْتَ
सिर्फ़ तुम्हारी ही	थे वो	वो इबादत करते	वो कहेंगे	पाक है तू	तू ही
مِنْ دُونِهِمْ ٧	بَلْ	كَانُوا	يَعْبُدُونَ	الْجِنَّ ٧	أَكْثَرُهُمْ
उनके सिवा	बल्कि	थे वो	वो इबादत करते	जिन्नों की	अक्सर उनके
					उन्हीं पर

مُؤْمِنُونَ ④1	فَالْيَوْمَ	لَا يَسْلُكُ	بَعْضُكُمْ	لِبَعْضٍ	تَفْعًا	وَلَا
ईमान लाने वाले थे	तो आज के दिन	ना मालिक होगा	बाज़ तुम्हारा	बाज़ के लिए	किसी नफ़ा का	और ना
ضَرَّاءُ ١	وَنَقُولُ	لِلَّذِينَ	ظَلَمُوا	ذُوقُوا	عَذَابَ	النَّارِ
किसी नुक़सान का	और हम कहेंगे	उनको जिन्होंने	जुल्म किया	चखो	अज़ाब	आग का
كُنْتُمْ	بِهَا	تُكَذِّبُونَ ④2	وَإِذَا	تُثْلَى	عَلَيْهِمْ	أَيُّنَا
थे तुम	जिसे	तुम झुठलाया करते	और जब	पड़ी जाती हैं	उन पर	आयात हमारी
بَيِّنَاتٍ	قَالُوا	مَا	هَذَا	إِلَّا	رَجُلٌ	يُرِيدُ
वाज़ेह	वो कहते हैं	नहीं	ये	मगर	एक शख्स	वो चाहता है
عَبَّأَ	كَانَ	يَعْبُدُ	أَبَاؤُكُمْ ٢	وَقَالُوا	مَا	هَذَا
उनसे जिनकी	थे	इबादत करते	आबा ओ अजदाद तुम्हारे	और वो कहते हैं	नहीं	ये
إِفْكٌ	مُفْتَرًى ٣	وَقَالَ	الَّذِينَ	كَفَرُوا	لِلْحَقِّ	لَمَّا
एक झूठ	गढ़ा हुआ	और कहा	उन लोगों ने जिन्होंने	कुफ़्र किया	हक़ के बारे में	जब
جَاءَهُمْ ٤	إِنْ	هَذَا	إِلَّا	سِحْرٌ	مُبِينٌ ④3	وَمَا
वो आ गया उनके पास	नहीं	ये	मगर	जादू	वाज़ेह	और नहीं
مِّنْ كُتُبٍ	يَدْرُسُونَهَا	وَمَا	أَرْسَلْنَا	إِلَيْهِمْ	قَبْلَكَ	مِنْ نَّذِيرٍ ④4
कुछ किताबें	वो पढ़ते हों उन्हें	और नहीं	भेजा हमने	तरफ़ उनके	आपसे पहले	कोई डराने वाला
وَكَذَّبَ	الَّذِينَ	مِنْ قَبْلِهِمْ ٥	وَمَا	بَلَغُوا	مِعْشَارَ	مَا
और झुठलाया	उन लोगों ने जो	उनसे पहले थे	और नहीं	वो पहुंचे	दसवें हिस्से को (भी)	जो
أَتَيْنَهُمْ	فَكَذَّبُوا	رُسُلِي ٦	فَكَيْفَ	كَانَ	نَكِيرٌ ④5	قُلْ
दिया था हमने उन्हें	तो उन्होंने झुठलाया था	मेरे रसूलों को	तो कैसा	था	अज़ाब मेरा	कह दीजिए

إِنَّمَا	أَعْظَمُكُمْ	بِوَاحِدَةٍ ٥٤	أَنْ	تَقُومُوا	لِلَّهِ	مَثْنَى	وَفَرَادَى
बेशक	में नसीहत करता हूं तुम्हें	एक (बात) की	कि	तुम खड़े हो जाओ	अल्लाह के लिए	दो-दो	और अकेले-अकेले
ثُمَّ	تَتَفَكَّرُوا ٥٥	مَا	بِصَاحِبِكُمْ	مِنْ جَنَّةٍ ٥٦	إِنْ	هُوَ	إِلَّا
फिर	तुम ग़ौरो फ़िक्र करो	नहीं	तुम्हारे साथी को	कोई जुनून	नहीं	वो	मगर
نَذِيرٌ	لَّكُمْ	بَيْنَ يَدَيَّ	عَذَابٍ	شَدِيدٍ ٥٧	قُلْ	مَا	
डराने वाला	तुम्हें	पहले	एक अज़ाब	सख़्त से	कह दीजिए	जो भी	
سَأَلْتُكُمْ	مِنْ أَجْرٍ فَهُوَ	لَكُمْ ٥٨	إِنْ	أَجْرِي	إِلَّا	عَلَى اللَّهِ ٥٩	
मांगा है मैंने तुमसे	कोई अज़्र	तो वो	तुम्हारे लिए है	अज़्र मेरा	मगर	अल्लाह पर	
وَهُوَ	عَلَى	كُلِّ	شَيْءٍ شَهِيدٌ ٦٠	قُلْ	إِنَّ	رَبِّي	يَقْذِفُ
और वो	ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब गवाह है	कह दीजिए	बेशक	वो डालता है
بِالْحَقِّ ٦١	عَلَامٌ	الْغُيُوبِ ٦٢	قُلْ	جَاءَ	الْحَقُّ	وَمَا	يُبْدِي
हक़ को	ख़ूब जानने वाला है	ग़ैबों को	कह दीजिए	आ गया	हक़	और ना	इब्तिदा करता है
الْبَاطِلُ	وَمَا	يُعِيدُ ٦٣	قُلْ	إِنْ	ضَلَلْتُ	فَإِنَّمَا	أَضِلُّ
बातिल	और ना	वो एआदा करेगा	कह दीजिए	अगर	मैं भटक गया	तो बेशक	मैं भटकता हूं
عَلَى نَفْسِي ٦٤	وَإِنْ	اهْتَدَيْتُ	فِيهَا	يُوحَىٰ	إِلَىٰ	رَبِّي ٦٥	
अपनी जान पर	और अगर	हिदायत पा गया	तो बवजह उसके जो	वही की	मेरी तरफ़	मेरे रब ने	
إِنَّهُ	سَمِيعٌ	قَرِيبٌ ٦٦	وَلَوْ	تَرَىٰ	إِذْ	فَرَعُوا	فَلَا
बेशक वो	ख़ूब सुनने वाला है	बहुत करीब है	और काश	आप देखते	जब	वो घबरा जाएंगे	तो ना
فَوْتٌ	وَأُخِذُوا	مِنْ مَّكَانٍ قَرِيبٍ ٦٧	وَقَالُوا	أَمِنَّا ٦٨	بِهِ ٦٩		
बचना होगा (उनके लिए)	और वो पकड़ लिए जाएंगे	जगह से	करीब की	और वो कहेंगे	हम ईमान लाए	उस पर	

وَإِنِّي	لَهُمْ	التَّائِبِينَ	مِنْ مَّكَانٍ	بَعِيدٍ 52	وَقَدْ	كَفَرُوا
और कहां से होगा	उनके लिए	हासिल करना (ईमान का)	जगह से	दूर की	और तहकीक	उन्होंने इंकार किया था

بِهِ	مِنْ قَبْلُ 53	وَيَقْدِفُونَ	بِالْغَيْبِ	مِنْ مَّكَانٍ	بَعِيدٍ 53
उसका	इससे पहले	और वो फेंकते रहे	बिन देखे	जगह से	दूर की

وَحِيلَ	بَيْنَهُمْ	وَبَيْنَ	مَا	يَشْتَهُونَ	كَمَا	فُعِلَ
और रुकावट डाल दी जाएगी	दर्मियान उनके	और दर्मियान	उसके जो	वो ख्वाहिश करेंगे	जैसे	किया गया

بِأَشْيَاعِهِمْ	مِّن قَبْلُ 54	إِنَّهُمْ	كَانُوا	فِي شَكٍّ	مُّرِيبٍ 54
साथ उनके साथियों के	उससे पहले	बेशक वो	थे वो	एक शक में	बेचैन करने वाले

آيَاتُهَا: 45	سُورَةُ فَاطِرٍ مَّكِّيَّةٌ 35	رُكُوعَاتُهَا: 5
---------------	--------------------------------	------------------

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

الْحَمْدُ	لِلَّهِ	فَاطِرُ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ	جَاعِلِ	الْبَلَدِ
सब तारीफ़	अल्लाह के लिए है	पैदा करने वाला है	आसमानों	और ज़मीन का	बनाने वाला है	फ़रिश्तों को

رُسُلًا	أُولَىٰ أَجْنَحَةٍ	مَّثْنَىٰ	وَتَلَثَ 55	وَرُبْعَ 56	يَزِيدُ	فِي الْخَلْقِ
पयामबर	परों वाले	दो-दो	और तीन-तीन	और चार-चार	वो इज़ाफ़ा करता है	तखलीक में

مَا	يَشَاءُ 57	إِنَّ	اللَّهَ	عَلَىٰ	كُلِّ شَيْءٍ 58	قَدِيرٌ 59	مَا
जो वो	चाहता है	बेशक	अल्लाह	ऊपर	हर	चीज़ के	ख़ूब कुदरत रखने वाला है

يَفْتَحُ	اللَّهُ	لِلنَّاسِ	مِنْ رَّحْمَةٍ	فَلَا	مُسِيكَ	لَهَا 60	وَمَا
खोल दे	अल्लाह	लोगों के लिए	कोई रहमत	तो नहीं	कोई बंद करने वाला	उसे	और जो

يُسِيكَ 61	فَلَا	مُرْسِلَ	لَهُ	مِنْ بَعْدِهِ 62	وَهُوَ	الْعَزِيزُ
वो बंद कर दे	तो नहीं	कोई भेजने वाला	उसे	उसके बाद	और वो	बहुत ज़बरदस्त है

الْحَكِيمُ ②	يَا أَيُّهَا النَّاسُ	اذْكُرُوا	نِعْمَتَ	اللَّهِ	عَلَيْكُمْ ط	هَلْ
खूब हिक्मत वाला है	ऐ लोगो	याद करो	नेअमत को	अल्लाह की	जो तुम पर है	क्या है
مِنْ خَالِقٍ	غَيْرُ	اللَّهِ	يَرْزُقُكُمْ	مِّنَ السَّمَاءِ	وَالْأَرْضِ ط	
कोई पैदा करने वाला	सिवाए	अल्लाह के	जो रिज़क देता हो तुम्हें	आसमान से	और ज़मीन से	
لَا	إِلَهَ	إِلَّا هُوَ ۖ	فَأَنى	تُؤَفَّكُونَ ③	وَإِنْ	يُكَذِّبُوكَ
नहीं	कोई इलाह (बरहक)	मगर	वो ही	तो कहां से	तुम फेरे जाते हो	और अगर
فَقَدْ	كُذِّبَتْ	رُسُلٌ	مِّن قَبْلِكَ ط	وَإِلَى اللَّهِ	تُرْجَعُ	الْأُمُورُ ④
तो तहकीक	झुठलाए गए	कई रसूल	आपसे पहले	और तरफ़ अल्लाह ही के	लौटाए जाते हैं	सब काम
يَا أَيُّهَا النَّاسُ	إِنَّ	وَعَدَ	اللَّهِ	حَقٌّ	فَلَا	تَغْرَبْكُمْ
ऐ लोगो	बेशक	वादा	अल्लाह का	सच्चा है	तो ना	हरगिज़ धोखे में डाले तुम्हें
الدُّنْيَا ۖ	وَلَا	يَغْرَبْكُمْ	بِاللَّهِ	الْغُرُورُ ⑤	إِنَّ	الشَّيْطَانَ
दुनिया की	और ना	हरगिज़ धोखे में डाले तुम्हें	अल्लाह के बारे में	बड़ा धोखे बाज़	बिला शुबह	शैतान
لَكُمْ	عَدُوٌّ	فَاتَّخِذُوهُ	عَدُوًّا ط	إِنَّمَا	يَدْعُوا	حِزْبَهُ
तुम्हारा	दुश्मन है	तो बनाओ उसे	दुश्मन	बेशक	वो बुलाता है	अपने गिरोह को
لِيَكُونُوا	مِنْ أَصْحَابِ	السَّعِيرِ ⑥	الَّذِينَ	كَفَرُوا	لَهُمْ	
ताकि वो हो जाएं	साथियों में से	भड़कती आग के	वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	उनके लिए	
عَذَابٌ	شَدِيدٌ ۖ	وَالَّذِينَ	آمَنُوا	وَعَمِلُوا	الصَّالِحَاتِ	لَهُمْ
अज़ाब है	सख़्त	और वो जो	ईमान लाए	और उन्होंने अमल किए	नेक	उनके लिए
مَغْفِرَةً ۖ	وَاجِرٌ	كَبِيرٌ ⑦	أَفَنَنْ	زَيْنَ	لَهُ	سُوءٌ
बख़्शिश है	और अज़ है	बहुत बड़ा	क्या भला वो जो	मुज़य्यन कर दिया गया	उसके लिए	बुरा
عَمَلِهِ						अमल उसका

فَرَاهُ	حَسَنًا ط	فَإِنَّ	اللَّهُ	يُضِلُّ	مَنْ	يَشَاءُ	وَيَهْدِي
फिर वो देखे उसे	खूबसूरत	तो बेशक	अल्लाह	वो गुमराह करता है	जिसे	वो चाहता है	और वो हिदायत देता है
مَنْ	يَشَاءُ ط	فَلَا	تَذْهَبُ	نَفْسُكَ	عَلَيْهِمْ	حَسَرَاتٍ ط	إِنَّ
जिसे	वो चाहता है	पस ना	जाती रहे	आपकी जान	उन पर	हसरतें कर के	बेशक
اللَّهُ	عَلِيمٌ	بِمَا	يَصْنَعُونَ ⑧	وَاللَّهُ	الَّذِي	أَرْسَلَ	
अल्लाह	खूब जानने वाला है	जो कुछ	वो करते हैं	और अल्लाह	वो है जिसने	भेजा	
الرِّيحِ	فَتْشِيرُ	سَحَابًا	فَسُقْنَهُ	إِلَى بَلَدٍ	مَّيِّتٍ		
हवाओं को	तो वो उठाती हैं	बादल	फिर चलाते हैं हम उसे	तरफ़ शहर	मुरदा के		
فَاحْيِينَا	بِهِ	الْأَرْضِ	بَعْدَ	مَوْتِهَا ط	كَذَلِكَ	النُّشُورُ ⑨	
फिर ज़िंदा कर देते हैं हम	साथ उसके	ज़मीन को	बाद	उसकी मौत के	इसी तरह होगा	उठाया जाना	
مَنْ	كَانَ	يُرِيدُ	الْعِزَّةَ	فَلِلَّهِ	الْعِزَّةُ	جَمِيعًا ط	إِلَيْهِ
जो कोई	है	चाहता	इज़्ज़त	तो अल्लाह ही के लिए है	इज़्ज़त	सारी की सारी	तरफ़ उसी की
يُصْعَدُ	الْكَلِمُ	الطَّيِّبُ	وَالْعَمَلُ	الصَّالِحُ	يَرْفَعُهُ ط	وَالَّذِينَ	
चढ़ते हैं	कलिमात	पाकीज़ा	और अमल	सालेह	बुलंद करता है उसे	और वो जो	
يَسْكُرُونَ	السَّيِّئَاتِ	لَهُمْ	عَذَابٌ	شَدِيدٌ ط	وَمَكْرُ	أُولَئِكَ	
मकर करते हैं	बुरे	उनके लिए	अज़ाब है	सख़्त	और मकर	उन लोगों का	
هُوَ	يَبُورُ ⑩	وَاللَّهُ	خَلَقَكُمْ	مِنْ تُرَابٍ	ثُمَّ	مِنْ نُطْفَةٍ	ثُمَّ
वो	तबाह हो जाएगा	और अल्लाह ने	पैदा किया तुम्हें	मिट्टी से	फिर	नुत्फ़े से	फिर
جَعَلَكُمْ	أَزْوَاجًا ط	وَمَا	تَحِلُّ	مِنْ أُنْثَى	وَلَا	تَضَعُ	إِلَّا
बनाया तुम्हें	जोड़े	और नहीं	उठाती	कोई मादा	और ना	वो जन्म देती है	मगर

بِعَلِيهِ ^ط	وَمَا	يُعَمَّرُ	مِنْ مُعَمَّرٍ	وَلَا	يُنْقُصُ	مِنْ عُمُرِهِ
साथ उसके इल्म के	और नहीं	उमर दिया जाता	कोई उम्र दिया हुआ	और ना	कमी की जाती	उसकी उम्र में से कुछ
إِلَّا	فِي كِتَابٍ ^ط	إِنَّ	ذَلِكَ	عَلَى اللَّهِ	يَسِيرٌ ¹¹	وَمَا
मगर	एक किताब में है	बेशक	ये	अल्लाह पर	बहुत आसान है	और नहीं
وَالْبَحْرَيْنِ ^ط	هَذَا	عَذْبٌ	فُرَاتٌ	سَائِغٌ	شَرَابُهُ	وَهَذَا
दो समुन्दर	ये	मीठा है	प्यास बुझाने वाला है	खुशगवार है	पानी इसका	और ये
مِلْحٌ	أَجَاजٌ ^ط	وَمِنْ كُلِّ	تَاكُلُونَ	لَحْمًا	طَرِيًّا	وَتَسْتَخْرِجُونَ
खारी है	निहायत तल्व	और हर एक से	तुम खाते हो	गोشت	तरोताज़ा	और तुम निकाल लेते हो
حِلْيَةً	تَلْبَسُونَهَا	وَتَرَى	الْفُلُكَ	فِيهِ	مَوَاحِرَ	
ज़ेवर	तुम पहनते हो उसे	और आप देखते हैं	कश्तियों को	उसमें	फाड़ने वाली हैं	
لِتَبْتَغُوا	مِنْ فَضْلِهِ	وَلَعَلَّكُمْ	تَشْكُرُونَ ¹²	يُؤَلِّجُ	الَّيْلَ	
ताकि तुम तलाश करो	उसके फ़ज़ल से	और ताकि तुम	तुम शुक्र अदा करो	वो दाख़िल करता है	रात को	
فِي النَّهَارِ	وَيُؤَلِّجُ	النَّهَارَ	فِي اللَّيْلِ ¹³	وَسَخَّرَ	الشَّمْسَ	
दिन में	और वो दाख़िल करता है	दिन को	रात में	और उसने मुसख़्ख़र किया	सूरज	
وَالْقَمَرَ ^ط	كُلٌّ	يَجْرِي	لِأَجَلٍ	مُّسَمًّى ^ط	ذِكْمُ	اللَّهُ رَبُّكُمْ
और चांद को	हर एक	चल रहा है	एक वक़्त तक	जो मुक़र्रर है	ये है	अल्लाह
لَهُ	الْمُلْكُ ^ط	وَالَّذِينَ	تَدْعُونَ	مِنْ دُونِهِ	مَا	يَبْلُغُونَ
उसी के लिए है	बादशाहत	और वो जिन्हें	तुम पुकारते हो	उसके सिवा	नहीं	वो मालिक हो सकते
مِنْ قَطِيرٍ ¹³	إِنْ	تَدْعُوهُمْ	لَا يَسْعَوُا	دُعَاءَكُمْ ¹⁴	وَلَوْ	
खज़ूर की गुठली के छिलके के भी	अगर	तुम पुकारो उन्हें	नहीं वो सुनेंगे	पुकार तुम्हारी	और अगर	

ع 2
7
14

سَبْعُوا	مَا	اسْتَجَابُوا	لَكُمْ ^ط	وَيَوْمَ	الْقِيَمَةِ	يَكْفُرُونَ
वो सुन लें	नहीं	वो जवाब देंगे	तुम्हें	और दिन	क़यामत के	वो इंकार कर देंगे
بِشْرِكِكُمْ ^ط	وَلَا	يُنَبِّئُكَ	مِثْلُ	خَيْرٍ ^ع 14	يَا أَيُّهَا	النَّاسُ
तुम्हारे शिर्क का	और नहीं	कोई ख़बर दे सकता आपको	मानिंद	ख़ूब ख़बर रखने वाले के	ऐ	लोगो
أَنْتُمْ	الْفُقَرَاءُ	إِلَى	اللَّهِ ^ح	وَاللَّهُ	هُوَ	الْغَنِيُّ
तुम	मोहताज हो	तरफ़	अल्लाह के	और अल्लाह	वो ही है	बहुत बेनियाज़
يَشَاءُ	يُذْهِبُكُمْ	وَيَأْتِ	بِخَلْقٍ	جَدِيدٍ ^ج 16	وَمَا	ذَلِكَ
वो चाहे	वो ले जाए तुम्हें	और वो ले आए	एक मख़लूक़	नई	और नहीं	ये
عَلَى اللَّهِ	بِعَزِيزٍ ¹⁷	وَلَا	تَزُرُ	وَأَزْرَةً	وَزَرَ	أُخْرَى ^ط
अल्लाह पर	कुछ मुश्किल	और ना	बोझ उठाएगी	कोई बोझ उठाने वाली	बोझ	दूसरी का
تَدْعُ	مُثْقَلَةً	إِلَى حِمْلِهَا	لَا يَحْمِلُ	مِنْهُ	شَيْءٌ	وَلَوْ
पुकारेगी	कोई बोझ से लदी हुई	तरफ़ अपने बोझ के	ना उठाया जाएगा	उससे	कुछ भी	और अगरचे
كَانَ	ذَاقَرُبِي ^ط	إِنِّمَا	تُنْذِرُ	الَّذِينَ	يَخْشُونَ	رَبَّهُمْ
हो	कराबतदार	बेशक	आप तो डरा सकते हैं	उन्हें जो	डरते हैं	अपने रब से
بِالْغَيْبِ	وَأَقَامُوا	الصَّلَاةَ ^ط	وَمَنْ	تَزَكَّى	فَانْبَا	يَتَزَكَّى
गायबाना तौर पर	और वो क़ायम करते हैं	नमाज़	और जिसने	पाकीज़गी इख़्तियार की	तो बेशक	वो पाकीज़गी इख़्तियार करता है
لِنَفْسِهِ ^ط	وَإِلَى اللَّهِ	الْبَصِيرُ ¹⁸	وَمَا	يَسْتَوِي	الْأَعْمَى	وَالْبَصِيرُ ¹⁹
अपने नफ़्स के लिए	और तरफ़ अल्लाह ही के	लौटना है	और नहीं	बराबर हो सकता	अंधा	और देखने वाला
وَلَا	الظُّلُمَاتِ	وَلَا	النُّورُ ²⁰	وَلَا	الظِّلُّ	وَلَا
और ना	अंधेरे	और ना	नूर	और ना	साया	और ना
وَلَا	الْحَرُورُ ²¹	وَلَا	الْحَرُورُ ²¹	وَلَا	الْحَرُورُ ²¹	وَلَا
और ना	और ना	और ना	धूप	और ना	और ना	और ना

وَمَا	يَسْتَوِي	الْأَحْيَاءُ	وَلَا	الْأَمْوَاتُ ^ط	إِنَّ	اللَّهَ	يُسْمِعُ	مَنْ
और नहीं	बराबर हो सकते	ज़िन्दा	और ना	मर्दे	बेशक	अल्लाह	वो सुनाता है	जिसे
يَشَاءُ ^ج	وَمَا	أَنْتَ	بِسْمِيعٍ	مَنْ	فِي الْقُبُورِ ²²	إِنْ	أَنْتَ	
वो चाहता है	और नहीं	आप	सुनाने वाले	उन्हें जो	कब्रों में हैं	नहीं	हैं आप	
إِلَّا	نَذِيرٌ ²³	إِنَّا	أَرْسَلْنَاكَ	بِالْحَقِّ	بَشِيرًا	وَنَذِيرًا ^ط		
मगर	डराने वाले	बेशक हम	भेजा हमने आपको	साथ हक के	खुशखबरी देने वाला	और डराने वाला (बना कर)		
وَأِنْ	مِنْ أُمَّةٍ	إِلَّا	خَلَا	فِيهَا	نَذِيرٌ ²⁴	وَأِنْ	يُكَذِّبُوكَ	
और नहीं	कोई भी उम्मत	मगर	गुज़रा है	उसमें	एक डराने वाला	और अगर	वो झुठलाते हैं आप को	
فَقَدْ	كَذَّبَ	الَّذِينَ	مِنْ قَبْلِهِمْ ^ج	جَاءَتْهُمْ	رُسُلُهُمْ			
तो तहकीक	झुठलाया	उन लोगों ने जो	उनसे पहले थे	आए उनके पास	रसूल उनके			
بِالْبَيِّنَاتِ	وَالزُّبُرِ	وَبِالْكِتَابِ	النُّبِيِّ ²⁵	ثُمَّ	أَخَذْتُ	الَّذِينَ		
साथ वाज़ेह निशानियों के	और साथ सहीफ़ों के	और साथ किताबे	रोशन के	फिर	मैंने पकड़ लिया	उन्हें जिन्होंने		
كَفَرُوا	فَكَيْفَ	كَانَ	نَكِيرٌ ²⁶	أَلَمْ	تَرَ	أَنَّ	اللَّهَ	
कुफ़ किया	तो किस तरह	हुई	सज़ा मेरी	क्या नहीं	आपने देखा	बेशक	अल्लाह ने	
أَنْزَلَ	مِنَ السَّمَاءِ	مَاءً ^ج	فَاخْرَجْنَا	بِهِ	ثَرَاتٍ	مُّخْتَلِفًا		
उतारा	आसमान से	पानी	फिर निकाले हमने	साथ उसके	फल	मुख्तलिफ़ हैं		
أَلْوَانُهَا ^ط	وَمِنَ الْجِبَالِ	جُدَدٌ	بَيَضٌ	وَحُمْرٌ	مُّخْتَلِفٌ	أَلْوَانُهَا		
रंग उनके	और पहाड़ों में से	टुकड़े हैं	कुछ सफ़ेद	और कुछ सुर्ख	मुख्तलिफ़ हैं	रंग उनके		
وَعَرَابِيبٌ	سُودٌ ²⁷	وَمِنَ النَّاسِ	وَالدَّوَابِّ	وَالْأَنْعَامِ	مُّخْتَلِفٌ			
कुछ काले	स्याह	और इंसानों में से	और जानवरों	और मवेशियों में से	मुख्तलिफ़ हैं			

أَلَوَانُهُ	كَذَلِكَ	إِنَّمَا	يَخْشَى	اللَّهُ	مِنْ عِبَادِهِ	الْعُلَمَاءُ
रंग उनके	इसी तरह	बेशक	डरते हैं	अल्लाह से	उसके बंदों में से	उलेमा ही
إِنَّ اللَّهَ	عَزِيزٌ	غَفُورٌ	إِنَّ	الَّذِينَ	يَتْلُونَ	كِتَابَ اللَّهِ
बेशक	बहुत ज़बरदस्त है	बहुत बख़्शने वाला है	बेशक	वो जो	पढ़ते हैं	किताब अल्लाह की
وَأَقَامُوا	الصَّلَاةَ	وَأَنفَقُوا	مِمَّا	رَزَقْنَاهُمْ	سِرًّا	وَعَلَانِيَةً
और वो कायम करते हैं	नमाज़	और वो खर्च करते हैं	उसमें से जो	रिज़क दिया हमने उन्हें	पोशीदा	और ऐलानिया
يَرْجُونَ	تِجَارَةً	لَّنْ	تَبُورًا	لِيُوفِيَهُمْ	أُجُورَهُمْ	
वो उम्मीद रखते हैं	ऐसी तिजारत की	हरगिज़ ना	वो तबाह होगी	ताकि वो पूरे-पूरे दे उन्हें	अजर उनके	
وَيَزِيدَهُمْ	مِّن فَضْلِهِ	إِنَّهُ	غَفُورٌ	شَكُورٌ	وَالَّذِي	
और ज़्यादा दे उन्हें	अपने फ़ज़ल से	बेशक वो	बहुत बख़्शने वाला है	निहायत कद्रदान है	और जो	
أَوْحَيْنَا	إِلَيْكَ	مِنَ الْكِتَابِ	هُوَ	الْحَقُّ	مُصَدِّقًا	لِّمَا
वही की हमने	आप की तरफ़	किताब में से	वो ही	हक़ है	तस्दीक़ करने वाली	उसकी जो
بَيْنَ يَدَيْهِ	إِنَّ اللَّهَ	بِعِبَادِهِ	لَخَبِيرٌ	بَصِيرٌ		
उससे पहले है	बेशक	अल्लाह	अपने बंदों के बारे में	अलबत्ता पूरी तरह बाख़बर है	ख़ूब देखने वाला है	
ثُمَّ	أَوْرَثْنَا	الْكِتَابَ	الَّذِينَ	اصْطَفَيْنَا	مِنْ عِبَادِنَا	
फिर	वारिस बनाया हमने	किताब का	उनको जिन्हें	चुन लिया हमने	अपने बंदों में से	
فِيهِمْ	ظَالِمٌ	لِّنَفْسِهِ	وَمِنْهُمْ	مُّقْتَصِدٌ	وَمِنْهُمْ	
तो उनमें से कोई	ज़ुल्म करने वाला है	अपनी जान पर	और उनमें से कोई	मयाना रू है	और उनमें से कोई	
سَابِقٌ	بِالْخَيْرِ	بِإِذْنِ اللَّهِ	ذَلِكَ	هُوَ	الْفَضْلُ	
सबक़त ले जाने वाला है	नेकियों में	अल्लाह के इज़न से	यही है	वो	फ़ज़ल	

الْكَبِيرُ 32	جَنَّتْ	عَدِنِ	يَدْخُلُونَهَا	يُحَلَّونَ	فِيهَا
बहुत बड़ा	बागात हैं	हमेशगी के	वो दाखिल होंगे उनमें	वो पहनाए जाएंगे	उनमें
مِنْ أَسَاوِرَ	مِنْ ذَهَبٍ	وَلَوْلُؤَاءَ	وَلِبَاسُهُمْ	فِيهَا	حَرِيرٌ 33
कंगनों में से	सोने के	और मोती	और लिबास उनका	उनमें	रेशम होगा
وَقَالُوا	الْحَمْدُ	لِلَّهِ	الَّذِي	أَذْهَبَ	عَنَّا
और वो कहेंगे	सब तारीफ़	अल्लाह ही के लिए है	जो	ले गया	हमसे
رَبَّنَا	لَغُفُورٌ	شُكُورٌ 34	الَّذِي	أَحَلَّنَا	دَارَ
रब हमारा	अलबत्ता बहुत बख़्शने वाला है	निहायत क़द्रदान है	वो जिसने	ला उतारा हमें	घर में
مِنْ فَضْلِهِ 35	لَا يَسُنَّا	فِيهَا	نَصَبٌ	وَلَا	يَسُنَّا
अपने फ़ज़ल से	नहीं पढ़ुंचती हमें	इसमें	कोई मशक्कत	और नहीं	पढ़ुंचती हमें
لُغُوبٌ 35	وَالَّذِينَ	كَفَرُوا	لَهُمْ	نَارُ	جَهَنَّمَ 36
कोई थकावट	और वो जिन्होंने	कुफ़्र किया	उनके लिए	आग है	जहन्नम की
عَلَيْهِمْ	فَيَمُوتُوا	وَلَا	يُخَفَّفُ	عَنْهُمْ	مِّنْ عَذَابِهَا 37
उनका	कि वो मर जाएं	और ना	हल्का किया जाएगा	उनसे	उसके अज़ाब में से
نَجْزِي	كُلَّ	كَفُورٍ 36	وَهُمْ	يَصْطَرِحُونَ	فِيهَا 37
हम बदला देते हैं	हर	नाशुके को	और वो	वो चिल्लाएंगे	उसमें
أَخْرَجْنَا	نَعْمَلُ	صَالِحًا	غَيْرَ	الَّذِي	كُنَّا
निकाल हमें	हम अमल करें	नेक	अलावा	उसके जो	थे हम
نُعَبِّرُكُمْ	مَا	يَتَذَكَّرُ	فِيهِ	مَنْ	تَذَكَّرَ
हमने उम्र दी थी तुम्हें	कि	नसीहत पकड़ता	इसमें	जो	नसीहत पकड़ता
					وَجَاءَكُمْ
					और आ गया तुम्हारे पास

النَّذِيرُ ^ط	فَذُوقُوا	فَبَا	لِلظَّالِمِينَ	مِنْ نَصِيرٍ ^ع 37	إِنَّ	اللَّهُ
डराने वाला	पस चखो	तो नहीं	ज़ालिमों के लिए	कोई मददगार	बेशक	अल्लाह
عِلْمُ	غَيْبٍ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ ^ط	إِنَّهُ	عَلِيمٌ	
जानने वाला है	ग़ैब	आसमानों	और ज़मीन का	बेशक वो	ख़ूब जानने वाला है	
بِذَاتِ الصُّدُورِ ^ح 38	هُوَ	الَّذِي	جَعَلَكُمْ	خَلِيفَ	فِي الْأَرْضِ ^ط	
सीनों वाले (भेद)	वो ही है	जिसने	बनाया तुम्हें	जानशीन	ज़मीन में	
فَمَنْ	كَفَرَ	فَعَلَيْهِ	كُفْرُهُ ^ط	وَلَا	يَزِيدُ	الْكَافِرِينَ
पस जिसने	कुफ़्र किया	तो उसी पर है	कुफ़्र उसका	और नहीं	ज़्यादा करता	काफ़िरों को
عِنْدَ	رَبِّهِمْ	إِلَّا	مَقْتًا	وَلَا	يَزِيدُ	الْكَافِرِينَ
नज़दीक	उनके रब के	मगर	नाराज़गी में	और नहीं	ज़्यादा करता	काफ़िरों को
إِلَّا	خَسَارًا ^ح 39	قُلْ	ارْءَيْتُمْ	شُرَكَاءَكُمْ	الَّذِينَ	تَدْعُونَ
मगर	ख़सारे में	कह दीजिए	क्या देखा तुमने	अपने शरीकों को	वो जिन्हें	तुम पुकारते हो
مِنْ دُونِ	اللَّهِ ^ط	أَرُونِي	مَاذَا	خَلَقُوا	مِنَ الْأَرْضِ	أَمْ
सिवाए	अल्लाह के	दिखाओ मुझे	क्या कुछ	उन्होंने पैदा किया है	ज़मीन में से	या
لَهُمْ	شِرْكٌ	فِي السَّمَوَاتِ ^ح	أَمْ	أَتَيْنَهُمْ	كِتَابًا	فَهُمْ
उनके लिए है	कोई शिरकत	आसमानों में	या	दी हमने उन्हें	कोई किताब	तो वो
عَلَى بَيِّنَاتٍ	مِّنْهُ ^ح	بَلْ	إِنْ	يَعِدُ	الظَّالِمُونَ	بَعْضُهُمْ
एक वाज़ेह दलील पर हों	उससे	बल्कि	नहीं	वादा करते	ज़ालिम	बाज़ उनके
إِلَّا	غُرُورًا ^ح 40	إِنَّ	اللَّهِ	يُسِيسُكُ	السَّمَوَاتِ	وَالْأَرْضِ
मगर	धोखे का	बेशक	अल्लाह	वो थामे रखता है	आसमानों	और ज़मीन को
						कि

تَرْوُلَا ^ه	وَلَيْنُ	زَالَتَا	إِنْ	أَمْسَكْهُمَا	مِنْ أَحَدٍ
(ना) वो दोनों टल जाएं	और अलबत्ता अगर	वो दोनों टल जाएं	नहीं	उन दोनों को थाम सकेगा	कोई एक
مِنْ بَعْدِهِ ^ط	إِنَّهُ	كَانَ	حَلِيًّا	غَفُورًا ⁴¹	وَاقْسَبُوا
बाद उसके	बेशक वो	है	बहुत हिल्म वाला	बहुत बख्शने वाला	और उन्होंने कसमें खाई
جَهْدَ	أَيْمَانِهِمْ	لَيْنُ	جَاءَهُمْ	نَذِيرُ	لَيَكُونَنَّ
पक्की	कसमें अपनी	अलबत्ता अगर	आया उनके पास	कोई डराने वाला	अलबत्ता वो ज़रूर होंगे
مِنْ إِحْدَى	الْأُمَمِ ^ه	فَلَمَّا	جَاءَهُمْ	نَذِيرُ	مَا
किसी एक से	उम्मतों में	फिर जब	आ गया उनके पास	कोई डराने वाला	ना
إِلَّا	نُفُورًا ⁴²	اسْتِكْبَارًا	فِي الْأَرْضِ	وَمَكْرُ	السَّيِّئِ ^ط
मगर	नफ़रत में	तकबुर की वजह से	ज़मीन में	और चाल	बुरी (की वजह से)
يَحِيقُ	الْبَكْرُ	السَّيِّئِ	إِلَّا	بَاهِلِهِ ^ط	فَهَلْ
घेरती	चाल	बुरी	मगर	उसके चलने वाले को	तो नहीं
إِلَّا	سُنَّتَ	الْأَوَّلِينَ ^ه	فَلَنْ	تَجِدَ	لِسُنَّتِ
मगर	तरीके का	पहलों के	तो हरगिज़ ना	आप पाएंगे	तरीके को
وَلَنْ	تَجِدَ	لِسُنَّتِ	الله	تَحْوِيلًا ⁴³	أَوْ لَمْ
और हरगिज़ ना	आप पाएंगे	तरीके को	अल्लाह के	फिरने वाला	क्या भला नहीं
فِي الْأَرْضِ	فَيَنْظُرُوا	كَيْفَ	كَانَ	عَاقِبَةُ	الَّذِينَ
ज़मीन में	फिर वो देखते	किस तरह	हुआ	अंजाम	उनका जो
وَكَانُوا	أَشَدَّ	مِنْهُمْ	قُوَّةً ^ط	وَمَا	كَانَ
और थे वो	ज़्यादा सख़्त	उनसे	कुब्वत में	और नहीं	है
					الله
					لِيُعْجِزَهُ
					कि आजिज़ कर सके उसे

مِنْ شَيْءٍ	فِي السَّمَوَاتِ	وَلَا	فِي الْأَرْضِ ^ط	إِنَّهُ	كَانَ	عَلِيمًا
कोई चीज़	आसमानों में	और ना	ज़मीन में	बेशक वो	है	खूब जानने वाला

قَدِيرًا ⁴⁴	وَلَوْ	يُؤَاخِذُ	اللَّهُ	النَّاسَ	بِمَا	كَسَبُوا	مَا
बहुत कुदरत वाला	और अगर	पकड़ लेता	अल्लाह	लोगों को	बवजह उसके जो	उन्होंने कमाई की	ना

تَرَكَ	عَلَى ظَهْرِهَا	مِنْ دَابَّةٍ	وَلَكِنْ	يُؤَخِّرُهُمْ	إِلَى أَجَلٍ
वो छोड़ता	इस (ज़मीन) की पुश्त पर	कोई जानदार	और लेकिन	वो मोहलत देता है उन्हें	एक वक़्त तक

مُسَيِّجٌ	فَإِذَا	جَاءَ	أَجَلُهُمْ	فَإِنَّ	اللَّهُ	كَانَ	بِعِبَادِهِ	بَصِيرًا ⁴⁵
मुक़र्रर	फिर जब	आ जाएगा	वक़्त उनका	तो बेशक	अल्लाह	है	अपने बंदों को	खूब देखने वाला

83: آیاتُهَا	36 سُورَةُ يَسٍ مَكِّيَّةٌ 41	رُكُوعَاتُهَا: 5
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ		

يَسٍ ¹	وَالْقُرْآنِ	الْحَكِيمِ ²	إِنَّكَ	لَمِنَ الْمُرْسَلِينَ ³	عَلَى
یس	क़सम है कुरआन	हिक्मत वाले की	बेशक आप	अलबत्ता रसूलों में से हैं	ऊपर

صِرَاطٍ	مُسْتَقِيمٍ ⁴	تَنْزِيلٍ	الْعَزِيزِ	الرَّحِيمِ ⁵	لِتُنْذِرَ
रास्ते	सीधे के	नाज़िल करदा है	बहुत ज़बरदस्त का	निहायत रहम करने वाले का	ताकि आप डराएँ

قَوْمًا	مَّا	أُنْذِرَ	أَبَاؤُهُمْ	فَهُمْ	غَفُلُونَ ⁶	لَقَدْ	حَقٌّ
एक क़ौम को	नहीं	डराए गए	आबा ओ अजदाद उनके	पस वो	ग़ाफ़िल हैं	अलबत्ता तहकीक़	सच हो गई

الْقَوْلِ	عَلَى أَكْثَرِهِمْ	فَهُمْ	لَا يُؤْمِنُونَ ⁷	إِنَّا	جَعَلْنَا
बात	उनकी अक्सरियत पर	पस वो	नहीं वो ईमान लाएंगे	बेशक हम	डाल दिए हमने

فِي أَعْنَاقِهِمْ	أَغْلَا	فَهِىَ	إِلَى الْأَذْقَانِ	فَهُمْ	مُقْبَحُونَ ⁸
उनकी गर्दनो में	तौक़	तो वो	ठोड़ियों तक हैं	तो वो	सर उठाए हुए हैं

وَجَعَلْنَا	مِنْ بَيْنِ أَيْدِيهِمْ	سَدًّا	وَمِنْ خَلْفِهِمْ	سَدًّا
और बना दी हमने	उनके सामने से	एक दीवार	और उनके पीछे से	एक दीवार
فَاغْشَيْنَاهُمْ	فَهُمْ	لَا يُبْصِرُونَ 9	وَسَوَاءٌ عَلَيْهِمْ	ءَاَنْذَرْتَهُمْ
फिर ढांप दिया हमने उन्हें	पस वो	नहीं वो देख पाते	और बराबर है	उन पर
أَمْ لَمْ	تُنْذِرْهُمْ	لَا يُؤْمِنُونَ 10	إِنَّمَا	تُنْذِرُ
या	ना	आप डराएँ उन्हें	नहीं वो ईमान लाएँगे	बेशक
اتَّبِعْ	الذِّكْرَ	وَخَشِيَ	الرَّحْمَنَ	بِالْغَيْبِ ٦
पैरवी करे	नसीहत की	और वो डरता हो	रहमान से	गायबाना
بِغُفْرَةٍ	وَاجِرٍ	كَرِيمٍ 11	إِنَّا	نَحْنُ
बख्शिश की	और अजर की	इज़्जत वाले	बेशक हम	हम ही
وَنَكْتُبُ	مَا	قَدَّامُوا	وَأَثَارَهُمْ ط	وَكُلَّ شَيْءٍ
और हम लिख रहे हैं	जो	उन्होंने आगे भेजा	और उनके आसार को	और हर
فِي إِمَامٍ	مُبِينٍ 12	وَاضْرِبْ	لَهُمْ	مَثَلًا
एक किताब में	जो वाज़ेह है	और बयान करो	उनके लिए	एक मिसाल
إِذْ	جَاءَهَا	الرُّسُلُونَ 13	إِذْ	أَرْسَلْنَا
जब	आए उनके पास	रसूल	जब	भेजा हमने
فَكَذَّبُوهُمْ	فَعَزَّزْنَا	بِثَالِثٍ	فَقَالُوا	إِنَّا
तो उन्होंने झुठला दिया उन दोनों को	तो कुव्वत दी हमने	साथ तीसरे के	तो उन्होंने कहा	बेशक हम
مُرْسَلُونَ 14	قَالُوا	مَا	أَنْتُمْ	إِلَّا
भेजे हुए हैं	उन्होंने कहा	नहीं हो	तुम	मगर

وَقُلْ

وَقُلْ

أَنْزَلَ الرَّحْمَنُ مِنْ شَيْءٍ ۚ	إِنْ أَنْتُمْ إِلَّا تَكْذِبُونَ ⑮	قَالُوا	ناجیل کی	رہمان نے	کوئی چیز	نہیں	تुम	मगर	तुम झूठ बोलते हो	उन्होंने कहा
رَبَّنَا يَعْلَمُ	إِنَّا إِلَيْكُمْ	لَمُرْسَلُونَ ⑯	وَمَا عَلَيْنَا	रब हमारा	वो जानता है	बेशक हम	तरफ तुम्हारे	अलबत्ता भेजे हुए हैं	और नहीं	हम पर
إِلَّا الْبَلَّغُ الْبَيِّنُ ⑰	قَالُوا إِنَّا	تَطِيرْنَا بِكُمْ ۚ	لَيْنُ	मगर	पहुंचा देना	खुल्लम- खुल्ला	उन्होंने कहा	बेशक हम	मनहूस समझा है हमने	तुम्हें
لَمْ تَنْتَهُوا	لَنَرْجَنَّكُمْ	وَلَيَسَّيَنَّكُمْ	مِّنَّا	عَذَابٌ	ना	तुम बाज़ आए	अलबत्ता हम ज़रूर संगसार कर देंगे तुम्हें	और अलबत्ता ज़रूर छुएगा तुम्हें	हमारी तरफ से	अज़ाब
أَلِيمٌ ⑱	قَالُوا	طِيرَكُمْ	مَعَكُمْ ۚ	أَيْنُ	ذُكِّرْتُمْ ۚ	दर्दनाक	उन्होंने कहा	नहसत तुम्हारी	साथ है तुम्हारे	क्या (इसलिए कि)
بَلْ أَنْتُمْ قَوْمٌ مُّسْرِفُونَ ⑲	وَجَاءَ مِنْ أَقْصَا	بَلْ أَنْتُمْ قَوْمٌ مُّسْرِفُونَ ⑲	وَجَاءَ	مِنْ أَقْصَا	بَلْ أَنْتُمْ قَوْمٌ مُّسْرِفُونَ ⑲	बल्कि	तुम	लोग हो	हृद से बड़े हुए	और आया
الْبَيْتَةِ رَجُلٌ يَّسْعَى	قَالَ يَقَوْمُ	اتَّبِعُوا	الرُّسُلِينَ ⑳	शहर के	एक शख्स	दौड़ता हुआ	बोला	ऐ मेरी क्रौम	पैरवी करो	इन रसूलों की
اتَّبِعُوا مَنْ لَا يَسْأَلُكُمْ	أَجْرًا	وَهُمْ مُّهْتَدُونَ ㉑	مُهْتَدُونَ ㉑	पैरवी करो	इनकी जो	नहीं सवाल करते तुमसे	किसी अज़ का	जब कि वो	हिदायत याफ़ता हैं	